सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-174
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 29 सितम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

ये दुनिया है यहाँ सबको सब कुछ नजर आता है, सिवाय अपनी गलतियों के!

महाराजवाड़ा क्षेत्र में पहुंची टीम, समझाइश पर नहीं माने दुकानदार तो कार्रवाई की

दो मौतों के बाद जागा निगम का अमला, हटाया अतिक्रमण

उज्जैन। उज्जैन में महाराजवाड़ा स्कूल की दीवार गिर जाने से शुक्रवार को हुई दो लोगों की मौत की घटना से सबक लेते हुए शनिवार सुबह क्षेत्र का अतिक्रमण हटा दिया। सुबह निगम अमला बड़ा गणेश मंदिर के पास पहुंचा, जहां जेसीबी और अमले के साथ मिलकर यह कार्रवाई की। नगर निगम गैंग के प्रभारी मोनू ने बताया कि घटना से सबक लेते हुए यह कार्रवाई की गई है, जिसमें महाराजवाड़ा क्षेत्र के आसपास का अतिक्रमण हटाया गया है। नगर निगम गैंग प्रभारी ने बताया कि घटना स्थल के आसपास कई दुकान संचालित हो रही थी। जिन्हें हटाने के लिए पहले समझाइश दी गई। लेकिन जब व्यापारी नहीं माने तो हल्का-पुल्का बल प्रयोग कर इन्हें हटाया गया है। याद रहे कि कल दीवार गिरने की इस घटना में जिन दो लोगों की मौत हुई थी, वह भी फूल प्रसाद व अन्य दुकान लगाते थे। आज सुबह हटाए गए अतिक्रमण के दौरान लगभग 100 से अधिक दुकानों को हटाया गया है।

इसीलिए हटाया गया अतिक्रमण- बताया जाता है कि यह दुकानें इस जर्जर दीवार के पास संचालित की जा रही थी, जिसके गिरने से कल दो लोगों की मौत हो गई थी। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए थे। शनिवार को इन विक्रेताओं पर नगर निगम ने कार्रवाई करते हुए फूल प्रसादी की सभी दुकानें हटा दी।

पहले अभी मुनादी, उसके बाद हटाया अतिक्रमण - बताया जाता है कि यह अतिक्रमण हटाने के पहले नगर निगम की गैंग ने क्षेत्र में मुनादी करवाई थी, जिससे कि व्यापारी स्वेच्छा से अपना अतिक्रमण हटा लें। लेकिन जब वह नहीं माने तो निगम गैंग ने अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई की है।

कमलनाथ को एक बार फिर दिल्ली बुलाने की तैयारी में गांधी परिवार

संगठन में दी जा सकती है बड़ी जिम्मेदारी

गांधी परिवार की तीन पीढ़ियों के साथ लंबी राजनीतिक पारी खेलने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की कांग्रेस हाईकमान केंद्रीय राजनीति में वापसी करवाने जा रहा है। मध्य प्रदेश के विधानसभा और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली पराजय के बाद से राज्य और केंद्र के राजनीतिक परिदृश्य से कमलनाथ ओझल से हैं।पहले उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें और फिर छिंदवाड़ा लोकसभा सीट भी हारने के बाद से कमलनाथ हाशिये पर हैं। पार्टी ने उन्हें मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के पद से भी हटा दिया था। कांग्रेस सूत्र बता रहे हैं कि कमलनाथ को पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की कोर टीम में तो जगह नहीं मिलेगी, लेकिन संगठन में उन्हें अनुशासन समिति का अध्यक्ष या ऐसा ही कोई पद दिया जा सकता है, ताकि उनके सम्मान और वरिष्ठता दोनों में समन्वय बना रहे। कमलनाथ राष्ट्रीय महासचिव सहित पार्टी के कई पदों पर रह चुके हैं। अब संभावना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टीम में नए चेहरे शामिल हों, इसलिए भी कमलनाथ के लिए संगठन में ऐसा कोई पद देखा जा रहा है, जिसकी बदौलत वह किसी राज्य में जाएं तो पार्टी प्रोटोकॉल मिल सके। सूत्रों के अनुसार कमलनाथ को प्रबंधन में विशेषज्ञ माना जाता है, इसलिए उनके लिए चुनाव प्रबंधन समिति या इससे ही जुड़ा कोई पद दिए जाने पर विचार चल रहा है। कांग्रेस नेतृत्व से जुड़े नेता कहते हैं कि कमलनाथ का संपर्क सभी बड़े लोगों के साथ है। उन्हें कोषाध्यक्ष बनाए जाने के मुद्दे पर भी चर्चा चली थी, लेकिन इस पद पर कुछ ही समय पहले अजय माकन को नियुक्त किया जा चुका है। पार्टी उन्हें हटाने का जोखिम उठाना नहीं चाहती। एक कयास यह भी है कि कमल नाथ को पार्टी के लिए फंड जुटाने का काम दिया जा सकता है। कुछ दिनों पहले राहुल गांधी और कमलनाथ के बीच हुई मुलाकात के बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि पार्टी की सक्रिय राजनीति में उनकी वापसी हो सकती है। अब यह राय बनी है कि उन्हें मुख्यधारा में लाने के बजाय ऐसा पद दे दिया जाए, जिससे उनका सम्मान और वरिष्ठता बनी रहे।

छत्तीसगढ़ में एसबीआई की फर्जी ब्रांच खोल नौकरी के नाम पर लगाई चपत

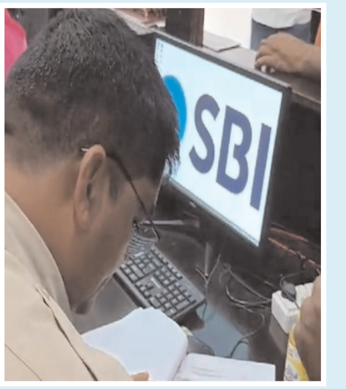

रायपुर। ठगी के बहुत से तरीके आपने देखे और सुने होंगे, लेकिन छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में जो मामला सामने आया है वह आपके भरोसे को हिलाकर रख देगा. यहां देश के सबसे बड़े बैंक के नाम पर फर्जी शाखा खोल दी गई. इतना ही नहीं उस ब्रांच में लोगों को बैंक जॉब के लिए लेटर तक दे दिए। ये मामला स्टेट बैंक ऑफ इंडिया यानी एसबीआई से जुड़ा हुआ था। इसलिए लोगों ने भरोसा कर लिए लेकिन बाद में उन्हें पता चला कि उनके साथ खिलवाड़ हुआ है। आरोपियों ने जिले के मालखरौदा थाना के छापोरा ग्राम में स्टेट बैंक की शाखा नई शाखा खोली गई। जब शाखा खुलने की भनक अधिकारियों तक पहुंची तो मालखरौदा पुलिस को सूचना दी गई। प्रशासन की टीम के साथ पुलिस मौके पर पहुंची. जांच से पहले ही कथित बैंक मैनेजर फरार था. नकली बैंक शाखा में एक बड़ा एसबीआई का बैनर लगा हुआ था और 6 कर्मचारी मौजूद थे। पूछताछ करने पर कर्मचारियों ने बताया कि उनके पास अपॉइंटमेंट लेटर है और उनके ट्रेनिंग के लिए इस ब्रांच में भेजा गया है। इसके बाद उनके दूसरी जगह पोस्टिंग दी जानी थी। पूरे मामले में पुलिस ने एसबीआई की शिकायत के आधार पर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

सात दिनों की न्यूनतम और अधिकतम नमी का फॉरकास्ट जान सकेंगे आम लोग, रख सकेंगे सेहत का ध्यान

अब उमस की जानकारी भी पहले से देगा मौसम विभाग

नई दिल्ली। अब नमी के स्तर की जानकारी भी लोगों को मिल सकेगी। नमी का महत्व आमतौर पर मॉनसून के सीजन में अधिक होता है। नमी बढ़ने से व्यक्ति इस मौसम में खुद को असहज महसूस करने लगता है और उसके बीमार पड़ने की संभावना भी अधिक रहती है। अब आईएमडी ने यह सुविधा आम लोगों के लिए शुरू की है। सात दिनों की न्यूनतम और अधिकतम नमी का फॉरकास्ट लोग जान सकेंगे। एक ही जगह उन्हें दिल्ली ही नहीं बल्कि देश के सभी हिस्सों की नमी के बारे में जानकारी मिल सकेगी। इस पेज पर जाकर उन्हें उस शहर को क्लिक करना होगा, जिसकी नमी के स्तर का हाल जानना चाहते हैं। इसके बाद उनके सामने मौसम की पूरी जानकारी होगी। यहां उन्हें अगले सात दिनों के अधिकतम तापमान, न्यूनतम तापमान, बारिश या बादलों की कितनी संभावना है, मौसम संबंधित कोई वॉर्निंग जारी की गई है या नहीं और नमी के स्तर की जानकारी मिलेगी।

इसलिए जरूरी है नमी की जानकारी- व्यक्ति मौसम में कैसा महसूस कर रहा है इसके लिए नमी की जानकारी होना जरूरी है। दिल्ली में अगर तापमान 40 डिग्री है और नमी 30 से 40 प्रतिशत तो व्यक्ति को गर्मी महसूस होगी, लेकिन उसे कमजोरी या थकान नहीं होगी। वह खुद को असहज महसूस नहीं करेगा। लेकिन अगर तापमान 36 डिग्री है और नमी बढ़कर 50 से 60 प्रतिशत हुई तो व्यक्ति पसीने की वजह से बेहाल रहेगा। वह खुद को असहज महसूस करेगा और उसे थकावट काफी जल्दी होगी। व्यक्ति डीहाइड्रेशन का शिकार भी हो सकता है। यही वजह है कि कई देशों में हीट इंडेक्स और वेटबल्ब टैंपरेचर के आधार पर फॉरकास्ट जारी किया जाता है।

क्रिकेट टीम में शामिल खिलाड़ियों को मिलेगी 7.5 लाख रुपए हर मैच की फीस

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने शनिवार को बताया कि टीम में शामिल खिलाड़ियों को प्रति मैच 7.5 लाख रुपये मैच फीस के रूप में मिलेंगे। वहीं, सभी लीग मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को अपनी अनुबंधित राशि के अलावा 1.05 करोड़ रुपये मिलेंगे। शाह ने लिखा- आईपीएल में निरंतरता और बेहतरीन प्रदर्शन का जश्न मनाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाते हुए हम अपने क्रिकेटरों के लिए प्रति मैच 7.5 लाख रुपये की मैच फीस शुरू करने से रोमांचित हैं। एक सीजन में सभी लीग मैच खेलने वाले क्रिकेटर को अपनी अनुबंधित राशि के अलावा 1.05 करोड़ रुपये मिलेंगे। प्रत्येक फ्रैंचाइजी सीजन के लिए मैच फीस के रूप में 12.60 करोड़ रुपये आवंटित करेगी। यह आईपीएल और हमारे खिलाड़ियों के लिए एक नया युग है।

65 लाख पेंशनरों को बड़ी राहत

पेंशन मिलने में नहीं होगी देरी, महीना खत्म होने से पहले जमा होगी राशि

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अपने 65 लाख पेंशनरों को बड़ी राहत प्रदान की है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के सेंट्रल पेंशन अकाउंटिंग ऑफिस (सीपीएओ) को पेंशनभोगियों की तरफ से ऐसी शिकायतें मिल रही थी कि उनकी पेंशन राशि देरी से मिल रही है। यह भी देखने को मिला है कि कुछ पेंशनभोगियों को उसी महीने के आखिर में पेंशन नहीं मिल रही है। खाते में पेंशन राशि आने की प्रक्रिया में अगले माह के भी कुछ दिन गुजर जाते हैं।

इन सबके चलते वित्त मंत्रालय ने पेंशन के भुगतान में हो रही देरी को गंभीरता से लिया है। अब सभी पेंशनभोगियों को महीने के आखिर में पेंशन मिल जाएगी। केंद्रीय पेंशन प्रसंस्करण केंद्र (सीपीपीसी) द्वारा महीने के अंतिम कार्य दिवस के पूर्वाह्न तक इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक रिपोर्ट भेजनी होगी। ई-पीपीओ साइट पर यह बताना होगा कि महीने के आखिर में इतने पेंशनभोगियों के खाते में तय राशि भेज दी गई है। बता दें कि वित्त मंत्रालय को मासिक पेंशन और पारिवारिक पेंशन मिलने में हो रही देरी को लेकर अनेक शिकायतें मिल रही थी। चूंकि रिटायरमेंट के बाद अधिकांश लोगों का पेंशन पर ही जीवन बसर होता है, ऐसे में पेंशन का देरी से पहुंचना, उनके लिए परेशानी का सबब बन रहा है। पेंशन में देरी को लेकर उन्हें अपने बुढ़ापे की अवस्था में संबंधित विभाग या बैंक के चक्कर काटने पड़ते हैं। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के सेंट्रल पेंशन अकाउंटिंग ऑफिस (सीपीएओ) ने इस तरह की शिकायतों को गंभीरता से लिया है। सभी बैंकों के सीपीपीसी खुले हैं। विभाग से पेंशन लेकर उसे संबंधित पेंशनधारक के खाते में सीपीपीसी ही रिलीज करता है। पेंशन/पारिवारिक पेंशन, पेंशनभोगी के खाते में उस महीने के अंतिम कार्य दिवस तक पहुंच जानी चाहिए। मार्च महीने को छोड़कर, जिसमें पेंशन को अगले महीने यानी अप्रैल के पहले कार्य दिवस पर जमा किया जाना चाहिए। बाकी के महीनों में आखिरी दिन या उससे पहले पेंशन राशि जमा हो जाए। मतलब, महीना खत्म होने से पहले ही पेंशनधारक के खाते में पैसा आ जाना चाहिए।

वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के सेंट्रल पेंशन अकाउंटिंग ऑफिस (सीपीएओ) द्वारा 20 सितंबर को जारी कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि समय-समय पर पेंशनभोगियों के साथ-साथ पारिवारिक पेंशनभोगियों से उनके खातों में मासिक, पेंशन/पारिवारिक पेंशन जमा होने में देरी के बारे में शिकायतें प्राप्त होती रही हैं। मासिक पेंशन/पारिवारिक पेंशन के क्रेडिट में देरी से वृद्धावस्था पेंशनभोगियों/पारिवारिक पेंशनभोगियों को परिहार्य वित्तीय कठिनाई और चिंता का सामना करना पड़ता है। अब सीपीपीसी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाता है कि मासिक पेंशन/पारिवारिक पेंशन निर्धारित समयसीमा के अनुसार हर महीने पेंशनभोगी पेंशनभोगी के खाते में जमा कर दी जाए। निर्धारित समय सीमा से परे पेंशन/पारिवारिक पेंशन जमा करने में किसी भी देरी को बहुत गंभीरता से लिया जाएगा। इस मामले में उचित कार्रवाई की जाए। पेंशन/पारिवारिक पेंशन के समय पर संवितरण की निगरानी के लिए, सभी सीपीपीसी को मासिक पेंशन/पारिवारिक पेंशन के क्रेडिट के संबंध में महीने के अंतिम कार्य दिवस के पूर्वाह्न तक इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

इंदौर में इम्प्लांट कॉन्फ्रेंस में सीएम ने किया ऐलान, गरीबों को भी एयर एंबुलेंस से बाहर भेजकर कराएंगे इलाज

मप्र में चिकित्सा क्षेत्र में निवेश करने पर मिलेगी 40 प्रतिशत सब्सिडी

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को इंदौर पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों ने उनकी अगवानी की। इसके बाद सीएम न्यायाधीशों की संगोष्ठी में हिस्सा लेने के लिए ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर पहुंचे। यहां न्यायाधीशों की संगोष्ठी के बाद सीएम ने 30वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरल इंप्लांटोलाजिस्ट का शुभारंभ किया। इसके बाद सीएम अभय प्रशाल में आयोजित बिजनेस एक्सपो का शुभारंभ करने के बाद राऊ विधायक मधु वर्मा से मिलने विशेष जुपिटर हॉस्पिटल पहुंचे। सीएम 30वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरल इंप्लांटोलाजिस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान कार्ड में दांतों का इलाज नहीं है। दंत चिकित्सा का भी आयुष्मान कार्ड में इलाज हो इसके लिए मैं सरकार से सिफारिश करूंगा। उन्होंने कहा, सरकार ने नई पॉलिसी बनाई है, इसमें गरीबों को भी इलाज के लिए जरूरत पड़ी तो एयर एम्बुलेंस से बाहर भेज कर इलाज कराया जाएगा। उन्हें कहा चिकित्सा क्षेत्र में मध्य प्रदेश में निवेशकों को 40त्न सब्सिडी दी जाएगी। जजों की कॉन्फ्रेंस में सुप्रीम कोर्ट के जज जेके माहेश्वरी ने कहा कि न्याय जल्दी मिलना चाहिए और इसके लिए हर स्तर पर प्रयास तेज होना चाहिए। उनकी बात सुनकर सीएम ने कहा कि मप्र में जजों की संख्या बढ़ाई जाएगी ताकि न्याय में देरी न हो। माहेश्वरी ने कहा कि एआई, सोशल मीडिया जैसी चुनौतियां सामने खड़ी हैं। हमें आज धर्म के उस रास्ते को याद करना जिसमें सुशासन प्राथमिकता होता था और तुरंत न्याय दिया जाता था। जजों की कॉन्फ्रेंस में सीएम ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जस्टिस व अन्य अतिथियों के बाद मंच संभालते ही उन्होंने काफी देर से नंबर आने पर जमकर चुटकी ली। इसके साथ ही सीएम यादव ने विक्रम-वेताल की कथा भी सुनाई। मुख्यमंत्री बोले सरकार और न्यायपालिका में अच्छा तालमेल है और आगे भी बना रहेगा। माहेश्वरी ने अपने संबोधन में आनलाइन पायरेसी, सोशल मीडिया के वायरल ट्रेंड जैसे विषयों पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि आज मप्र में मुख्यमंत्री मोहन यादव उज्जैन नगरी से आते हैं, जो राजा विक्रमादित्य की नगरी है। विक्रमादित्य को अपने न्याय के लिए जाना जाता है। उनके राज में तुरंत न्याय मिलता था। हमें भी इस व्यवस्था को आगे बढ़ाना चाहिए। उनकी बात खत्म होने के बाद सीएम मोहन यादव ने अपना संबोधन शुरू किया और कहा कि हम इस परेशानी को समझते हैं कि जजों की संख्या कम है, हम सब मिलकर इस विषय पर काम करेंगे ताकि जजों पर भार कम हो और जनता को भी जल्द न्याय मिले। सरकार इस विषय में हरसंभव प्रयास करेगी।

सिंगल कॉलम

महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण को देना होगी प्राथमिकता

इंदौर। श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर वूमेन स्टडी ने महिला स्वास्थ्य और पोषण संसाधनों और सेवाओं तक पहुंच विषय पर वर्चुअल मोड पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के रेक्टर और डीन, डॉक्टरेट अध्ययन और अनुसंधान संकाय के डॉ.संतोष धर की स्पीच से उद्घाटन हुआ। उन्होंने संगोष्ठी की प्रासंगिकता के बारे में बताया। सेंटर फॉर वुमेन स्टडी प्रमुख, रसायन विज्ञान प्रोफेसर और नवचेतना 2024 की संयोजक डॉ.कविता शर्मा ने सेंटर फॉर वुमेन स्टडी की जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ.मीनाक्षी मेहन, फॉर्मर प्रोफेसर खाद्य एवं पोषण विभाग के अध्यक्ष, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बडौदा और पूर्व पोषण विशेषज्ञ यूनिसेफ इंडिया ने महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण के मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। डॉ. मीनाक्षी ने बताया कि महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण को प्राथमिकता देना होगा और शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को राष्ट्र के भविष्य के लिए सशक्त बनाना होगा। इस सत्र में डॉ. रेणुबाला शर्मा विभाग अध्यक्ष, गवर्नमेंट ऑटोनॉमस गर्ल्स पीजी कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सागर, एम.सी.बी.यू. यूनिवर्सिटी छतरपुर ने महिलाओं के संतुलित पोषण आवश्यकता को समझाया। अमानत कागजी, डाइटिशियन, स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट, स्वास्थ्य वक्त, फाउंडर एवं डायरेक्टर फिट मंत्र ने अपने विचारों से संगोष्ठी के प्रतिभागियों को महिला स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधित जानकारी से लाभान्वित किया और कहा कि पोषण के माध्यम से सशक्तिकरण और महिलाओं के स्वास्थ्य पर खेलकूद और व्यायाम के प्रभाव पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के दौरान डॉ. विनीता मेवाड़ा राज्य पोषण सलाहकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्य प्रदेश ने अपने अनुभव साझा कर कहा कि महिला स्वास्थ्य एवं पोषण पर जागरूकता अभियान तेज करना होगा। कार्यक्रम का संचालन प्रिया निगम ने किया। समापन डॉ. दिव्या तोमर सहायक प्रोफेसर और राष्ट्रीय संगोष्ठी के समन्वयक ने आभार व्यक्त किया।

बिजली कंपनी ने 8 हजार कनेक्शन कांटे

इंदौर। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक रजनी सिंह के निर्देशन में बकाया राशि वसूली के लिए अभियान संचालित किया जा रहा है। इंदौर, आगर, देवास, उज्जैन, धार, झाबुआ, शाजापुर समेत कंपनी क्षेत्र के सभी 15 जिलों में 8 हजार से ज्यादा कनेक्शन कांटे गए है। इंदौर जिले में ही तीन हजार से ज्यादा कनेक्शन काटे गए है, बिजली कंपनी ने बकाया राशि समय पर जमा कराने की अपील की है। कंपनी ने कहा कि बकायादारों से बार-बार बिल राशि जमा करने को कहा गया था, समय निकलने के बाद भी राशि जमा नहीं करने पर कार्रवाई की गई है। कंपनी ने कहा कि नियत तिथि तक बिजली बिल बकाया राशि जमा नहीं करने पर अधिभार लगता है, साथ ही कनेक्शन काटने एवं पुनः जोड़ने की राशि भी वसूली जाती हैं, अतः उपभोक्ता अप्रिय कार्रवाई से बचने के लिए नियत तिथि या पूर्व बिजली बिल राशि जमा कराए। कैशलेस भुगतान पर छूट भी- बिजली उपभोक्ता कैशलेस तरीके से पेटीएम, फोन पे, गुगल पे, अमेजन , एमपी ऑन लाइन, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड इत्यादि माध्यमों से बिजली बिल राशि जमा कर सकते है। प्रत्येक बिल पर कैशलेस प्रोत्साहन राशि नियामक आयोग के आदेशानुसार दी जाती है। गैर घरेलू निम्नदाब बिजली उपभोक्ता को 5 से 20 रूपए, घरेलू उपभोक्ता को 5 रूपए से बिल राशि की आधा प्रतिशत और उच्चदाब उपभोक्ता को 100 से 1000 रूपए प्रति बिल प्रति माह की छूट देय है।

स्टूडेंट्स ने भारत की संस्कृति को उतारा रैंप पर

इंदौर। तालियों की गूंज...फैशन स्टूडेंट्स का आत्मविश्वास... लाइट्स, म्यूजिक और रैंप पर देशभर की संस्कृति के साथ रेट्रो सहित कई अन्य पहनावों को लेकर उतरते देश के नामी मॉडल्स... नजारा इंदौर के बायपास स्थित एक होटल में देखने को मिला, जहां शुक्रवार को एनआईएफडी ग्लोबल इंदौर टाइम्स फैशन वीक सीजन 3 की शुरुआत हुई। फैशन वीक का पहला दिन पूरी तरह एनआईएफडी ग्लोबल के इंदौर और भोपाल के स्टूडेंट्स के नाम रहा, जिसमें 4 राउंड में 12 थीम पर स्टूडेंट्स के कलेक्शन को देश के टॉप प्रोफेशनल मॉडल्स ने रैंप पर उतारा। फैशन डिजाइनिंग की एचओडी सोनिका भगत और मेंटर सौरभकांत श्रीवास्तव के गाइडेंस में तैयार स्टूडेंट्स के ये सभी आउटफिट बेहद सराहे गए। पहला राउंड ब्लूमिंग इंडिया रहा, जिसमें फ्यूजन थीम पर पहनावे में देश के हर कोने की संस्कृति नजर आई। वहीं, रॉक एंड रोल थीम में इंडियन बॉलीवुड, फोक थीम राउंड में मिजकल, मिथिकल और ट्रायबल से जुड़ी संस्कृति का तालमेल देखने को मिला। दूसरा राउंड ग्लोबल कैनवास रहा, जिसमें रेट्रो थीम में देश-दुनिया का फैशन नजर आया। सबसे ज्यादा तालियां और दाद रेट्रो ग्लैम थीम ने ही बटोरी, जिसमें गारमेंट्स पर शोले के गब्बर से लेकर मिस हवा हवाई तक नजर आई।

इंदौर पहुंची निर्माता, निर्देशक और अभिनेता प्रवीण हिंगोनिया की टीम

फिल्म प्रमोशन के लिए कश्मीर से कन्याकुमारी तक सड़क यात्रा

सिटी चीफ इंदौर।
निर्माता, निर्देशक और अभिनेता प्रवीण हिंगोनिया और उनकी फिल्म 'नवरस कथा कोलाज' की टीम इस फिल्म प्रमोशन के लिए कश्मीर से कन्याकुमारी तक सड़क यात्रा पर है। शनिवार को यह टीम इंदौर पहुंची है। यह एक ऐसा कारनामा है जो पहले कभी नहीं हुआ था। भारतीय सिनेमा के इतिहास में ऐसा पहली बार प्रयास किया गया है जो काफी सफल दिख रहा है। निर्माता प्रवीण हिंगोनिया और एसकेएच पटेल ने देश भर में इस प्रोमोशनल यात्रा से सनसनी मचा दी है, जो अपनी आगामी हिंदी फीचर फिल्म नवरस कथा कोलाज का जोर शोर से प्रचार कर रहे हैं। इस फिल्म ने 58 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। फिल्म की टीम वाघा बॉर्डर, गोल्डन टेंपल, जलियांवाला बाग, खटकर कलां, शहीद-ए-आजम भगत सिंह के गांव, लखनऊ, ताजमहल समेत पूरे देश का दौरा कर रही है। वे लोगों से बात कर रहे हैं और दर्शकों से उन्हें काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। निर्माता निर्देशक और अभिनेता प्रवीण हिंगोनिया, अतुल श्रीवास्तव, अलका अमीन, स्वर हिंगोनिया समेत फिल्म से जुड़ी टीम इस सिनेमा टूर पर है।

फिल्म का ट्रेलर भारतीय सैनिकों को भी काफी पसंद आया है। भारत भ्रमण के लिए एक खास वैनिटी वैन तैयार की गई है जिस पर फिल्म नवरस कथा कोलाज का प्रमोशन किया जा रहा है। पूरी टीम इस वैन में कश्मीर से कन्याकुमारी तक यात्रा कर रही है, जबकि प्रवीण हिंगोनिया अपनी सामाजिक विषय पर आधारित फिल्म के बारे में लोगों को जागरूक कर रहे हैं, जो 18 अक्टूबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।
हिंगोनिया ने इस फिल्म में 9 चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है।
इस फिल्म के कलाकारों में पठान फेम शाजी चौधरी, दयानंद शेट्टी, रेवती पिल्लई (कोटा फैक्ट्री फेम), पंचायत फेम सुनीता जी, दम लगा के हईशा फेम महेश शर्मा, प्राची सिन्हा, श्री इंडियट्स फेम कलाकार अमरदीप झा और उनकी पुत्री श्रेया, जय शंकर त्रिपाठी, इशान शंकर, स्वर हिंगोनिया के नाम शामिल हैं।
स्वरध्रुपद प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्माण प्रवीण हिंगोनिया के साथ एसकेएच पटेल ने किया है जबकि सह-निर्माता अभिषेक मिश्रा हैं।

मप्र में दीवारें गिरने की अलग-अलग घटनाओं में दो माह में हो चुकी हैं 18 मौतें

जानलेवा साबित हो सकती है छह मिलों की 70-80 साल पुरानी दीवारें

सिटी चीफ इंदौर।
शहर में नगर निगम खतरनाक भवनों को तोड़ रहा है, लेकिन शहर की सात मिलों की 70 से 80 साल पुरानी हो चुकी दीवारों की तरफ उसका ध्यान नहीं है। इन दीवारों के आसपास अनंत चतुर्दशी पर तीन दिन का मेला लगा, जहां हजारों लोग मौजूद थे। लोग भी जान दांव पर लगाकर इन दीवारों के आसपास सामान बेचते है या गाड़ी पार्क करते हैं।
मध्य प्रदेश में दीवारें गिरने की अलग-अलग घटनाओं में दो माह में 18 मौतें हो चुकी है। शुक्रवार को महाकाल लोक की दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। इससे पहले सागर में 9 बच्चे और दतिया सात लोगों की मौत हो चुकी है। इसी तरह की आशंका शहर में भी बन रही है। इंदौर की सात मिलों की डेढ़ किलोमीटर लंबी दीवारें खतरनाक स्थिति में है। 70 साल पुरानी राजकुमार मिल मंडी की बूढ़ी दीवार, न बीम का पता, न प्लास्टर। ईंटों की जमावट ऐसी की जोर से धक्का दे तो भरभरा कर गिर जाए। इन दीवारों के नीचे रोज हजारों लोग सब्जियां खरीदने आते हैं। किसी भी दिन ये खतरनाक हो चुकी दीवार हादसे की बड़ी वजह बन सकती है।

खतरनाक दीवार के पास ही 100 से ज्यादा गुमटियां
हुकमचंद मिल परिसर के कुछ हिस्से में हाउसिंग बोर्ड ने नई दुकानें बना दी, लेकिन स्वदेशी मिल ब्रिज के नीचे खतरनाक दीवार के पास ही 100 से ज्यादा गुमटियां है। इसके अलावा शिवाजी नगर की तरफ दो बड़े मंदिर है, जहां रोज लोग एकत्र होते है। मालवा मिल की दीवार का बड़ा हिस्सा खतरनाक हो चुका है। इस मिल की तीन दिवारों की तरफ 200 से ज्यादा दुकानें है और लोग फुटपाथ पर भी बैठकर सामान बेचते हैं।
ऊंचाई ज्यादा और प्लास्टर भी नहीं
विशेषज्ञों का कहना है कि इंदौर के मिलों की दीवारें ज्यादा खतरनाक है,क्योंकि मिल बंद होने के कारण इनका वर्षों से रखरखाव नहीं हुआ। इसके अलावा इनकी ऊंचाई 20 से 25 फीट तक है। दीवारें सिर्फ ईंट की जुड़ाई कर बनाई गई है। उन पर प्लास्टर भी नहीं है। इस वजह से इनके गिरने का खतरा ज्यादा है। मिलों के आसपास नगर निगम ने जो सड़कें चौड़ी की। उनका मलबा भी मिल परिसर में फेंक दिया। इससे दीवारें और कमजोर हो गई है। जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि जल्दी ही मिलों की दीवारों का सर्वे कराया जाएगा और उन्हें हटाया जाएगा।
दीवारें नहीं होती खतरनाक सूची में शामिल
नगर निगम ने खतरनाक भवनों की सूची बनाई है। जिसमें 100 से ज्यादा मकान शामिल है, लेकिन खतरनाक दीवारों को कभी शामिल नहीं किया जाता, जबकि मिलों की दीवारें खतरनाक स्थिति में पहुंच चुकी है।

बच्चियों के साथ हो रही वारदातों को लेकर फूटा विधायक उषा ठाकुर का गुस्सा

दुराचारियों को चौराहों पर लटकाओ चील-कौवों को नोचने दो

सिटी चीफ इंदौर।
सितंबर महीने में मध्य प्रदेश में बच्चियों के साथ दुष्कर्म के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। बच्चियों के साथ हो रही वारदातों को लेकर मध्य सरकार में मंत्री रह चुकीं और वर्तमान में महू विधायक उषा ठाकुर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने वालों को सार्वजनिक चौराहों पर फांसी देनी चाहिए, उनका अंतिम संस्कार भी नहीं होना चाहिए। जब उनके मृत शरीर चील कव्वे नोचेंगे तब दूसरे लोगों को पता चलेगा कि बच्चियों के साथ दुराचार करने वालों का क्या हश्र होता है।
विधायक उषा ठाकुर ने कहा कि बच्चों और युवा वर्ग में संस्कार के बिजारोपित करना भी आवश्यक है। परिजनों को अपने बच्चों को अध्यात्म और नैतिकता की शिक्षा देना चाहिए, ताकि वे गलत और सही कामों में फर्क कर सके। विधायक उषा ठाकुर ने यह बयान इंदौर में एक कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान मीडिया को दिया। इससे पहले मध्य प्रदेश सरकार में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर बड़ा बयान दे चुके हैं। हाल ही में उन्होंने कहा कि साथ लड़कियों के साथ गलत हरकत करने वालों का गला दबाने की इच्छा होती है।
भोपाल में हुई थी बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या
राजधानी भोपाल में पांच साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। पुलिस ने तीन बाद उसका शव उसी मल्टी से बरामद किया, जिसमें वह रही थी। पड़ोसी में रहने वाले एक आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म कर मासूम का गला घोंट दिया था।

शहर में दिनभर रुक-रुककर बरसते रहे बादल, मानसून की विदाई से पहले और बारिश के आसार

बंगाल की खाड़ी से आया सिस्टम पूरा करेगा कोटा

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। शहर में शुक्रवार को हुई तेज बारिश के बाद रात को भी पानी बरसा। इसके बाद शनिवार सुबह से अलग-अलग क्षेत्रों में रुक-रुककर हल्की बारिश हो रही है। शनिवार को सुबह से बादल छाए रहे और दस बजे तेज बारिश हुई। इसके बाद दिनभर हल्की बारिश का दौर चला और रात तक बूंदाबांदी होती रही। दो दिन से चल रहे बारिश के दौर के बाद मौसम में ठंडक भी महसूस की जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, बंगाल की खाड़ी से आया सिस्टम इंदौर सहित आसपास के शहरों में सक्रिय है, जिसके कारण शुक्रवार को रात में अच्छी बारिश हुई। बीते दो दिनों में इंदौर में दो इंच बारिश हुई है, जिससे सीजन की कुल बारिश 34.50 इंच हो गई है। मानसून की विदाई के लिए अब केवल तीन दिन शेष हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, यदि सिस्टम इसी प्रकार सक्रिय रहता है, तो विदाई के आखिरी दिन भी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही, इंदौर का सीजनल कोटा (38 इंच) भी लगभग पूरा हो जाएगा। मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश में मानसून ट्रफ और साइक्लोनिक सकुर्लेशन के कारण बारिश का दौर चल रहा है। राज्य के पश्चिमी हिस्से में सिस्टम का असर है, जो आगे बढ़ेगा और अगले 24 घंटे में बारिश का दौर जारी रहेगा।

स्टूडेंट्स ने जाने साइबर सुरक्षा के उपाय

अटल बिहारी वाजपेई शा.कला एवं वाणिज्य कॉलेज में कार्यशाला का आयोजन

सिटी चीफ इंदौर।
मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग भोपाल एवं डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वुमेन महिला बाल विकास विभाग जिला इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में साइबर सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला में अग्रणी महाविद्यालय माता जीजा बाई शासकीय कन्या महाविद्यालय के समन्वय से जिला स्तरीय समस्त अग्रणी महाविद्यालय से छात्राएं एवं टीम मैनेजर प्राध्यापकों ने भागीदारी दी। कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं महिलाओं के साथ होने वाले अपराध और उनकी सुरक्षा के साथ-साथ भारत सरकार की महिलाओं से संबंधित योजनाओं, कार्यक्रमों एवं सहायता संबंधी जानकारी डॉ. वंचना सिंह द्वारा दी गई। छात्राओं के साथ प्रश्नोत्तरी सेशन भी रखा गया। ये कार्यशाला बच्चियों और सभी सहभागियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण रही।

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन एवं अतिथि परिचय डॉ. श्रद्धा मालवीय द्वारा दिया गया, संचालन डॉ. रेणु सिंह एवं आभार धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. कविता अग्रवाल ने किया। कार्यशाला में तृप्ति त्रिपाठी, सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग भोपाल, रामनिवास बुधौलिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग जिला इंदौर, प्रोफेसर आदित्य लुणावत एवं अन्य अग्रणी महाविद्यालय के प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शहर के कलाकार ने 90 गानों की पंक्तियों से बनाया लता मंगेशकर का चित्र

सिटी चीफ इंदौर।
मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के एक कलाकार ने महान गायिका लता मंगेशकर के 90 अलग-अलग हिट गानों की शुरुआती पंक्तियों का इस्तेमाल कर उनके चेहरे की रेखाओं को बनाकर उनका एक अनूठा श्वेत-श्याम चित्र बनाया है। कलाकार मिलिंद धवले द्वारा बनाए गए इस 31गुना 23 इंच के चित्र की खास बात यह है कि गीतों की शुरुआती पंक्तियों को उनके अर्थ के अनुरूप गायिका के चेहरे पर उचित स्थानों पर लिखा गया है। उदाहरण के लिए, उनके चित्र में मंगेशकर के चेहरे पर बिंदी की जगह 'बिंदिया चमकेगी, चूड़ी खनकेगी' गाने की शुरुआती लाइन लिखी गई है, जबकि 'धीरे-धीरे बोल कोई सुन न ले' गाने की शुरुआती लाइन का इस्तेमाल उनके होठों को बनाने के लिए किया गया है।

माथे पर लिखा ऐ मेरे वतन के लोगों
धवले ने इस चित्र में मंगेशकर के माथे पर 'ऐ मेरे वतन के लोगों' लिखा है, क्योंकि 55 वर्षीय कलाकार का मानना है कि मातृभूमि के लिए शहीद हुए सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान की याद दिलाकर देशभक्ति की भावना को जगाने वाला यह गीत आज भी भारतीय नागरिकों के मन में बसा हुआ है। चित्र में गीतों की ये पंक्तियां इतनी सफाई से लिखी गई है कि कोई इसे करीब से देखने पर ही पाठ को समझ पाता है। दूर से देखने पर ये शीर्षक केवल पंक्तियों के रूप में दिखाई देते हैं। उन्हें यह सौंपने की इच्छा पूरी नहीं हो सकी
धवले ने कहा कि उन्होंने यह चित्र मंगेशकर के 90वें जन्मदिन पर बनाया था और वह उन्हें उपहार देने की कोशिश करते रहे। वह किसी तरह इस कलाकृति को गायिका को देना चाहते थे, लेकिन उनकी यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा इस बात का अफसोस रहेगा कि मैं मंगेशकर से नहीं मिल सका और उन्हें यह चित्र नहीं दे सका।
मंगेशकर ने 6 फरवरी, 2022 को 92 वर्ष की आयु में मुंबई में अंतिम सांस ली।

एयरलाइंस कंपनियों ने अभी तक जारी नहीं किया शेड्यूल, 10 दिन होगा ट्रायल

देर रात की उड़ानें शुरू होने से पहले ही 24 घंटे खुलने लगेगा एयरपोर्ट

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। राजा भोज एयरपोर्ट एक अक्टूबर से 24 घंटे खुलने लगेगा। एयरपोर्ट अथारिटी को उम्मीद थी किपहले दिन ही कम से कम दो लेट नाइट उड़ानें शुरू होंगी लेकिन एयरलाइंस कंपनियों ने अभी तक शेड्यूल जारी नहीं किया है। अब अथारिटी ने 10 दिन तक ट्रायल के रूप में 24 घंटे एयरपोर्ट खोलने का निर्णय लिया है।

एयरपोर्ट अथारिटी ने 24 घंटे उड़ान संचालन के लिए डीजीसीए से अनुमति लेने की औपचारिकताएं भी पूरी कर ली हैं। लगातार 24 घंटे एयरपोर्ट खुला रखने के लिए सुरक्षा में तैनात जवानों की संख्या बढ़ना जरूरी है। सीआइएसएफ के जवानों की संख्या 170 से बढ़ाकर 440 तक करने का प्रस्ताव है। यह संख्या धीरे-धीरे बढ़ाई जा रही है। वर्तमान में यह संख्या 275 हो चुकी है।

राजा भोज एयरपोर्ट फिलहाल सुबह छह से रात्रि 10 बजे तक खुला रहता है। 24 घंटे खुला रहने पर देर रात की उड़ानें प्रारंभ होने की पूरी संभावना है। उधर, इंडिगो ने दो अक्टूबर से भोपाल से पुणे के लिए पहली लेट नाइट उड़ान शुरू करने का भरोसा अथारिटी को दिलाया था। कंपनी ने स्लाट भी ले लिया लेकिन अभी तक शेड्यूल जारी नहीं किया है। कंपनी ने अब यह उड़ान 29 अक्टूबर से प्रारंभ करने का भरोसा दिलाया है।

हालांकिइस तारीख को भी बुकिंग नहीं हो रही है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी भोपाल से बेंगलुरू, पुणे एवं हैदराबाद उड़ान शुरू करने की तैयारी की है। दिसंबर तक कंपनी उड़ानें प्रारंभ करेगी।

कुछ समय ट्रायल, फिर शुभारंभ

यह सही है कि इंडिगो ने दो अक्टूबर से प्रस्तावित पुणे उड़ान की तिथि आगे बढ़ा दी है। संभवत- अब उड़ान 29 अक्टूबर से शुरू होगी। उड़ान शुरू नहीं होने के बावजूद एक अक्टूबर से एयरपोर्ट 24 घंटे खुलेगा। 10 दिन ट्रायल रन होगा। इसके बाद शुभारंभ समारोह होगा।

रामजी अवस्थी, एयरपोर्ट डायरेक्टर

युवतियों के गरबा खेलकर घर पहुंचने तक पेट्रोलिंग करेगी पुलिस

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना ने नवरात्र में गरबा स्थल पर महिला सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आला अधिकारियों की बैठक में डीजीपी ने कहा कि गरबा स्थल के आसपास विशेष पेट्रोलिंग कराएं।

डीजीपी ने कहा है कि गरबा स्थल पर आवागमन के रास्तों पर ड्रोन कैमरों का उपयोग करें। दुर्गा उत्सव समिति के कार्यकर्ताओं का सहयोग लें। गरबा स्थल पर वीडियोग्राफी की व्यवस्था कराई जाए। गरबा समाप्ति के बाद भी तब तक पुलिस पेट्रोलिंग चालू रहे, जब तक की सभी महिलाएं, बच्चियां सुरक्षित घर न पहुंच जाएं। खुफिया तंत्र सक्रिय रखें। पुलिस मुख्यालय की महिला सुरक्षा शाखा सभी जिलों में महिला अपराध की रोकथाम के लिए जागरुकता कार्यक्रम चलाएगी।

डीजीपी ने कहा कि बार-बार अपराध करने वालों की हिस्ट्रीशीट तैयार करें। आदतन अपराधियों पर विशेष नजर रखें। पास्को एक्ट तथा अन्य यौन अपराधों संबंधित फास्ट ट्रेक कोर्ट में चल रहे मामलों के त्वरित निराकरण के लिए फालोअप लें। वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क कर त्वरित न्याय दिलाने का प्रयास करें।

स्कूल स्टाफ का पुलिस से सत्यापन जरूरी

प्रदेश के सभी स्कूलों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षा के संबंध में जारी दिशा-निर्देश के अनुरूप जिला प्रशासन के सहयोग से सभी व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। सभी स्कूलों के समस्त स्टाफ का पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से कराया जाए। इसके साथ ही स्कूल परिसर के आसपास के लोगों तथा रास्तों पर भी चौकसी रहे। परिसर और वाहनों में सीसीटीवी कैमरों का चालू रहना सुनिश्चित किया जाए।

खाद्य विभाग की टीम ने रसोई केंद्र का निरीक्षण करने पहुंची तो नहीं मिला गेहूं

दीनदयाल रसोई का 70 क्विंटल गेहूं चोरी से व्यापारी के यहां पहुंचाया

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। जिले में गरीबों को पांच रुपये में भरपेट खाना खिलाने वाली दीनदयाल रसोई के राशन पर भी डाका डाला जा रहा है। यहां आने वाले मुफ्त राशन को व्यापारियों को बेचने का मामला सामने आया है। घटना का खुलासा होने के बाद जिला आपूर्ति नियंत्रक मीना मालाकार ने 70 क्विंटल गेहूं जब्त कर रिपोर्ट कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को सौंप दी है।

राजधानी में पांच रसोई केंद्रों को हर महीने गेहूं-चावल मुफ्त दिया जाता है। कोलार स्थित रसोई केन्द्र को आर्य शिक्षा समिति नई दिल्ली संस्था चलाती है। इसे प्रत्येक माह 93 क्विंटल गेहूं और 22 क्विंटल चावल का कोटा जारी किया जाता है। यह राशन खाद्य व नागरिक आपूर्ति निगम से रसोई केंद्र संचालित करने वाली समिति उठाती है। कुछ दिन पहले जब खाद्य विभाग की टीम रसोई केंद्र पहुंची तो, गेहूं मौके पर नहीं मिला था। गेहूं 25 किमी दूर आनंद नगर के व्यापारी राजकुमार चावला के गोदाम में मिला। चावला के भाई करोंद मंडी में गेहूं, चावल का कारोबारी भी हैं।

इस मामले में जब रसोई केंद्र के मैनेजर सुजान सिंह से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि रखने की जगह नहीं होने के कारण राशन वहां रखवाया था। जिला आपूर्ति नियंत्रक का कहना है कि दीनदयाल रसोई योजना का गेहूं व्यापारी के गोदाम में मिलने के बाद रिपोर्ट कलेक्टर को पेश कर दी गई है।

सात वर्ष से दे रहे मुफ्त राशन

दीनदयाल अंत्योदय रसोई योजना की शुरूआत सात अप्रैल 2017 को हुई थी। इसमें प्रदेश के सभी जिलों में रसोई का निर्माण किया है। भोपाल में शाहजहांनाबाद, कोलार, शाहजहांनी पार्क, रत्नागिरी, करोंद और बैरागढ़ में दीनदयाल रसोई का संचालन हो रहा है। जिसके तहत पांच रुपये में भरपेट खाना खिलाया जाता है। कलेक्टर का कहना है कि दीनदयाल रसोई योजना का गेहूं व्यापारी के यहां मिलने के संबंध में रिपोर्ट मिल गई है। अध्ययन करने के बाद इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेप के बाद बच्ची की हत्या करने वाला पुलिस की गिरफ्त में, पानी की टंकी से पुलिस ने बरामद किया शव

पुलिस से बचने के लिए फिनाइल का पोछा लगाया, मरा चूहा दिखाया

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल में पांच साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। आरोपी ने हत्या के बाद बच्ची के शव को चादर में लपेटकर एक दिन बिस्तर के नीचे छिपाया। लेकिन, मख्खियां लगने पर उसने शव को पानी की टंकी में रख दिया। शव को छिपाने के लिए ऊपर से कपड़े और अन्य सामान भी भर दिया। सबसे हैरानी की बात यह है कि आरोपी अतुल के घिनौने अपराध को छिपाने में उसकी और बहन ने भी साथ दिया। शव सड़ने पर आ रही बदबू को रोकने के लिए आरोपियों ने फिनायल से कई बार पोंछा लगाया, पुलिस को मरा हुआ चूहा दिखाया, लेकिन बदबू नहीं रुकी। इसी बदबू के कारण आरोपी पकड़े गए।

भोपाल के शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित एक में मल्टी में रहने वाली पांच साल की बच्ची 24 सितंबर की दोपहर को लापता हुई। काफी तलाश के बाद वह नहीं मिली तो परिजनों ने अपहरण का केस दर्ज कराया। लेकिन, रात तक बच्ची का कुछ पता नहीं चला। अगले दिन पुलिस की टीमें बच्ची की तलाश में फिर जुटीं। मल्टी के सभी फ्लैट्स की तलाशी ली गई, आसपास के इलाके में सर्च किया गया। सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। 26 सितंबर को मल्टी से लोगों को बदबू आना शुरू हुई, लोगों ने सभी फ्लैट में जाकर बदबू का कारण पूछा और जांच की। लेकिन, जब लोग आरोपी अतुल के फ्लैट में पहुंचे तो उसकी बहन चंचल ने अंदर नहीं जाने दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई, पुलिस फ्लैट में पहुंची तो चंचल ने मरा हुआ चूहा दिखाकर कहा कि बदबू इसकी आ रही है। लेकिन, काफी देर तब बदबू नहीं गई तो पुलिस का शक गहरा गया। पुलिस फ्लैट में अंदर घुसी और तलाशी के दौरान पानी की टंकी से बच्ची का शव बरामद किया।

खरगोन का रहने वाला है आरोपी

आरोपी अतुल निहाले का परिवार मूलत- खरगोन का रहने वाला है। करीब छह महीने पहले ही परिवार मल्टी में किराये से रहने आया था। उस दौरान आरोपी अतुल की मां बसंती ने पीड़ित परिवार के फ्लैट के सामने वाला फ्लैट किराए पर लिया था। बसंती की दो बेटियां चंचल और रेनू भी इसी इलाके की मल्टी के अलग-अलग ब्लॉक में रहती हैं। बसंती और उसकी दोनों बेटियां बंगलों में काम करती हैं। आरोपी अतुल करीब एक महीने पहले ही यहां रहने आया था। उसका पत्नी से दो साल से विवाद चल रहा है, अतुल की मारपीट से तंग आकर वह बच्चों के साथ अपने मायके चली गई थी। अतुल नशे का आदी है, वह नशा करके घर पर ही पड़ा रहता था। अतुल निहाले के खिलाफ खरगोन में आधा दर्जन केस दर्ज हैं। वह छेड़छाड़ के मामले में सजा भी काट चुका है। उसकी पत्नी ने भी थाने में मारपीट की शिकायत दर्ज काई है।

घटना के बाद मां और बहन ने दिया आरोपी का साथ

आरोपी ने अतुल ने 24 सितंबर को मल्टी में नगर निगम द्वारा की जा रही फॉगिंग का फायदा उठाकर बच्ची को अपने फ्लैट में खींच लिया था। इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी को डर था कि बच्ची बाहर जाकर अपने परिजनों को यह बता देगी। इससे बचने के लिए उसने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और शव को चादर में लपेट कर बिस्तर के नीचे छिपा दिया।

अब प्राथमिक शिक्षक बनने के लिए भी अभ्यर्थियों को दो बार देना होगी परीक्षा

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। अब प्राथमिक शिक्षक बनने के लिए अभ्यर्थियों को दो बार अपनी योग्यता साबित करनी होगी। पात्रता परीक्षा के बाद चयन परीक्षा देनी होगी।

इस बार प्राथमिक शिक्षक के लिए बीएड डिग्री धारी अभ्यर्थी पात्र नहीं होंगे, बल्कि डीएलएड वाले पात्र होंगे।

इस संबंध में मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ईसबी) ने प्राथमिक शिक्षक (वर्ग-तीन)पात्रता परीक्षा-2024 पात्रता परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। साथ ही नियमावली भी वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। पात्रता परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन एक से 15 अक्टूबर तक भरे जाएंगे ।आवेदन पत्र में संशोधन 20 अक्टूबर तक कर सकेंगे।

बता दें, कि ईएसबी की ओर से स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग के लिए संयुक्त रूप से प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित की जा रही है ।वहीं इस बार प्राथमिक शिक्षक भर्ती-2024 में ऐसा पहली बार होगा जब अभ्यर्थियों को पहले पात्रता और फिर चयन परीक्षा देनी होगी। इससे पहले दो परीक्षा का नियम उच्च माध्यमिक शिक्षक-2023 की भर्ती में ही लागू की गई है।

प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 10 नवंबर से शुरू होगी। दो पालियों में परीक्षा आयोजित होगी। पहली पाली सुबह नौ से 11.30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2.30 बजे से शाम पांच बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

21 वर्ष तक बढ़ाई गई उम्र की सीमा

इस बार प्राथमिक शिक्षक के लिए 21 वर्ष आयु सीमा तय की गई है ।दिशा-निर्देश में लिखा है कि चयन परीक्षा के विज्ञापन वर्ष की एक जनवरी को अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए और अधिकतम आयु सामान्य प्रशासन विभाग के नियमों के अनुसार मान्य होगी।

2020 पात्रता परीक्षा पास करने वाले को नहीं देनी होगी परीक्षा

प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा-2024 में वे अभ्यर्थी शामिल नहीं होंगे,जिन्होंने 2020 में पात्रता परीक्षा पास कर ली है ।उन्हें दोबारा 2024 की पात्रता परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं है ।ईएसबी ने स्पष्ट किया है कि पात्रता परीक्षा की वैधता आजीवन रहेगी ।

इन शहरों में होगी परीक्षा

यह पात्रता परीक्षा भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर सहित बालाघाट, खंडवा, नीमच, रतलाम, रीवा, सागर, सीधी, सतना और उज्जैन शहर के परीक्षा केंद्रों पर आयोजित कराई जाएगी।

वत्त विभाग ने सभी विभागों से मांगी जानकारी, दीपावली तक हो सकती है घोषणा

मप्र के कर्मचारियों को मिलेगा 64 प्रतिशत महंगाई भत्ता

भोपाल। मध्य प्रदेश के सात लाख से अधिक कर्मचारियों को अगले बजट (वर्ष 2025-26) में 64 प्रतिशत तक महंगाई भत्ता मिलेगा। पेंशनरों के लिए भी इसी हिसाब से महंगाई राहत का प्रविधान रखा जाएगा। वार्षिक वेतन वृद्धि तीन प्रतिशत की दर से होगी तो संविदा कर्मचारियों के पारिश्रमिक में चार प्रतिशत की वृद्धि के हिसाब से राशि रखी जाएगी। वित्त विभाग ने सभी विभागों से कहा है कि वेतन-भत्ते मद के लिए कर्मचारियों की संख्या और आगामी समय में होने वाली भर्ती के अनुसार आकलन कर प्रस्ताव प्रस्तुत करें। सभी विभागों में वेतन-भत्ते के लिए बजट में कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशनरों की महंगाई राहत के लिए 56 प्रतिशत के हिसाब से प्रविधान रखा गया है। हालांकि, अभी 46 प्रतिशत की दर से ही महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। जबकि, भारत सरकार इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर चुकी है। प्रदेश में अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को 50 प्रतिशत की दर से ही महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। कर्मचारी भी चार प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि दीपावली के आसपास मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इसकी घोषणा कर सकते हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सरकार ने 64 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ते के लिए राशि रखने के निर्देश दिए हैं।

सीएम डॉ. यादव बोले- जनप्रतिनिधियों के साथ फसल नुकसानी का आकलन करेगा राजस्व अमला, प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध

खाद की कालाबाजारी करने वालों से सख्ती से निपटेगी सरकार

सिटी चीफ भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से सोयाबीन उपार्जन, खाद उपलब्धता और वितरण की वीडियो-कॉन्फ्रेसिंग में कलेक्टर -कमिश्नर से चर्चा की। उन्होंने बैठक निर्देश देते हुए कहा कि उर्वरक की मांग बढ़ने पर कालाबाजारी, अवैध भंडारण, नकली उर्वरक निर्माण की संभावना रहती है। पुलिस का सहयोग लेते हुए निरीक्षण और चेकिंग की व्यवस्था को बढ़ाया जाए। कालाबाजारी करने वालों, मिलावट, मिस ब्रांडिंग और नकली उर्वरक खपाने वालों पर कठोरतम कार्रवाई की जाए। उर्वरक अवैध परिवहन पर नियंत्रण के लिए एक जिले से दूसरे जिले में उर्वरक मूवमेंट पर सतत् निगरानी रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खरीफ 2024-25 के लिए प्रदेश में खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्राइस सपोर्ट स्कीम में मध्यप्रदेश को सोयाबीन उपार्जन की दी गई स्वीकृति के लिए आभार व्यक्त करते हुए प्रदेश में उपार्जन के समुचित बेहतर प्रबंध करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जाए ताकि आवश्यकतानुसार डीएपी के स्थान पर

एनपीके,लिक्विड नैनो यूरिया के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों को ज्यादा से ज्यादा जानकारी दी जाए। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को निर्देशित किया कि राजस्व अमला जनप्रतिनिधियों के साथ फसलों की क्षति आंकलन सुनिश्चित करें। खाद भंडारण के लिए डबल लॉक की आवश्यकता होने पर कृषि उत्पादन आयुक्त से समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने अमानक स्तर का खाद-बीज विक्रय,भंडारण और परिवहन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

प्राकृतिक खेती को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दें

मुख्यमंत्री ने कहा कि रबी 2024-25 के लिए खरीफ 2024 के अनुसार ही उर्वरक वितरण के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रबी 2024-25 के लिए भी पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं। सभी जिला कलेक्टर बेहतर तैयारी कर लें, वितरण व्यवस्था में कोई गड़बड़ी न हो इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों से समन्वय कर कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री मोदी के विजन अनुरूप प्राकृतिक खेती को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दिया जाए। एनपीके और लिक्विड नैनो यूरिया के उपयोग के लिए किसानों को ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करें। किसानों द्वारा इनके उपयोग से देश की अन्य राष्ट्रों पर निर्भरता भी कम होगी। मुख्यमंत्री ने खरीफ 2024 में एनपीके का उपयोग 45 प्रतिशत होने पर प्रसन्नता जताई जो कि वर्ष 2023-24 में मात्र 26 प्रतिशत था। उन्होंने जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट की मालवा क्षेत्र में खाद के 3 रैक और उपलब्ध कराने की मांग के अनुरूप कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने खाद के व्यवस्थित वितरण के लिए अधिकारियों को डबल लॉक केन्द्रों पर अतिरिक्त बिक्री काउंटर खोलने के निर्देश भी दिए हैं।

अभी 7 जिलों में नहीं होगी सोयाबीन की खरीदी

मुख्यमंत्री ने प्राइस सपोर्ट स्कीम पर सोयाबीन उपार्जन की कार्रवाई संवेदनशीलता से करने को कहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार से निर्धारित मात्रा के अतिरिक्त सोयाबीन का उपार्जन प्रदेश सरकार करेगी। प्रदेश में 25 सितम्बर से ई-उपार्जन पोर्टल पर किसानों के पंजीयन की कार्रवाई प्रारंभ हो गई है।

सम्पादकीय

दवा क्षेत्र में छवि को फिर से बना पाना कठिन चुनौती

देश के नागरिकों को यह मुद्दा बेहद गंभीरता से लेना चाहिए और नकली हत्यारों के खिलाफ जन-सैलाब तैयार करने चाहिए। नेताओं का बहिष्कार करें, क्योंकि लोकतंत्र में दायित्व उन्हें सौंपे गए हैं कि वे कुछ भी गलत और जानलेवा न होने दें। दुखद यह है कि भारत की विदेशों में छवि प्रभावित हो रही है। यह बात कही जाने लगी थी कि भारत दवा निर्यात में एक सशक्त पक्ष के रूप में उभर रहा है, लेकिन बार-बार दवाओं के सैंपल फेल हो रहे हैं तो ऐसी दवाएं पैसे देकर कौन खरीदना चाहेगा। दवा क्षेत्र में भारत का निर्यात लक्ष्य प्रभावित हुआ है। इसके साथ ही जो छवि खराब हो रही है, उसे भविष्य में फिर से बना पाना भी कठिन चुनौती रहेगी।

प्रख्यात शायर गालिब के एक शेर का सारांश यह है कि आखिर इस देश को हुआ क्या है? क्या यहां जीना भी आसान नहीं? आम आदमी बीमार भी नहीं पड़ सकता, क्योंकि असली दवा ही मुहाल नहीं है। यह सारांश उन रपटों के संदर्भ में सटीक है, जो केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने तैयार की हैं। यह भारत सरकार का संगठन है, जो फार्मा उद्योग के उत्पादन, दवाओं, इंजेक्शन आदि की गुणवत्ता को नियंत्रित करता है। उसने दो रपटें सार्वजनिक की हैं। एक में 48 दवाओं का ब्यौरा है, जो मिलावटी पाई गई हैं। दूसरी रपट में 5 नकली दवाओं का खुलासा किया गया है। चौंकना स्वाभाविक है, क्योंकि इन रपटों में 'पेरासिटामॉल 500 एमजी' जैसी दवा भी है, जो आम आदमी बुखार और शरीर दर्द आदि के लिए, डॉक्टर की पर्ची के बिना ही, खरीदता और खाता रहता है। दवाएं नकली हों या मिलावटी, सभी बड़ी, नामी कंपनियों की बनाई हुई हैं। रक्तचाप के लिए हम अक्सर टेल्मा दवा लेते हैं। उसकी कई किस्में हैं, लेकिन टेल्मा-एच का नमूना नकली पाया गया है। इसका उत्पादन प्रख्यात फार्मा कंपनी ग्लेनमार्क करती है। इसी तरह गैस, एसिडिटी की प्रचलित दवाई पैन-डी भी नकली पाई गई है। अस्थमा, लिवर, एलर्जी, मधुमेह, कैल्शियम और दांत इंफेक्शन की एंटीबॉयोटिक्स दवाएं भी मिलावटी और नकली मिली हैं। आम बीमार आदमी असमंजस में है कि वह लगातार दवा खा रहा है, लेकिन ठीक नहीं हो पा रहा है, तो इसका कारण क्या है? कारण मिलावटी और नकली दवाएं ही है, लेकिन आम आदमी को क्या पता? अधिकांश डॉक्टर भी इस काले धंधे से अनभिज्ञ हैं। गंभीर और नाजुक तथ्य यह है कि पेरासिटामॉल और हिंदुस्तान एंटीबॉयोटिक्स लिमिटेड तो भारत सरकार की कंपनियां हैं। भारत का फार्मा उद्योग 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक का है और हम 200 देशों को दवाइयां सप्लाई करते हैं। क्या ऐसी मिलावटी दवाएं ही निर्यात की जा रही हैं? यदि विदेश में भी इन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, तो भारत के निर्यात-कारोबार की छवि और मात्रा का क्या होगा? यहां एक आलेख में ही सभी मिलावटी और नकली दवाओं के नाम देना संभव नहीं है। वे मीडिया में प्रकाशित किए गए हैं, लेकिन अधिकांश दागदार कंपनियां नामी हैं। ऐसा कई बार होता रहा है कि नकली बाजार में छापे के दौरान नकली दवाएं पकड़ी जाती रही हैं। उनमें कैंसर की बेशकीमती दवाएं और इंजेक्शन भी पकड़े गए हैं, लेकिन सरकार और राजनीतिक दल अक्सर खामोश रहे हैं। क्योंकि नामी फार्मा कंपनियों से भाजपा को 61 करोड़, कांग्रेस को 5 करोड़, सपा को 3 करोड़ और आम आदमी पार्टी को 1 करोड़ रुपए के चंदे चुनावी बॉन्ड के जरिए मिले हैं। पैन-डी ने भाजपा को 15 करोड़ रुपए का चंदा दिया है, जबकि तेलंगाना की पार्टी बीआरएस को भी 20 करोड़ रुपए चंदा दिया गया है। प्रख्यात सन फार्मा कंपनी ने भाजपा को 31.5 करोड़ रुपए चंदे में दिए हैं। सवाल है कि क्या चुनावी चंदे के बदले आम आदमी की सेहत से खिलवाड़ किया जा सकता है? नकली दवाओं के कारण अनेक मौतें भी हुई होंगी! फिलहाल उसका डाटा हमारे पास नहीं है। क्या कंपनियों के मोटे-मोटे मुनाफे ही कारोबार का एकमात्र लक्ष्य हैं, बेशक बीमार आदमी बीमार ही रहे या अकाल मौत के मुंह में चला जाए? मिलावटी या नकली नमूने पकड़े गए हैं, तो नामी कंपनियों के रटे-रटाए स्पष्टीकरण हैं कि ये उत्पादन हमारे नहीं हैं। ये नकली दवाएं हैं। सन और टॉरेंट कंपनियों के ऐसे स्पष्टीकरण सामने आए हैं। औषधि नियंत्रण संगठन उन स्पष्टीकरणों को स्वीकार भी कर लेगा, लेकिन किन नकली कंपनियों ने इन उत्पादों की नकल की है और बाजार में जहर बेच रहे हैं, इस पर नियंत्रण कौन लगाएगा? कौन सजा तय करेगा? अपने मुनाफे और अमीरी के लिए कुछ लोग यह जानलेवा खेल खेल रहे हैं। आखिर सरकारें क्या कर रही हैं? क्या काली भेड़ों की खतरनाक सक्रियता को ही लोकतंत्र मान लिया जाए?

हिजबुल्लाह की कमर तोड़ उसके टॉप लीडर्स की सूची छोटी करता जा रहा इजराइल

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान के लोगों को दूसरी चेतावनी भी जारी की, जिसमें उनसे खतरे से दूर रहने का आग्रह किया गया। एक्स पर एक पोस्ट में इजरायल के प्रधानमंत्री ने कहा कि हम हिजबुल्लाह पर हमले जारी रखेंगे। जिस किसी के लिविंग रूम में मिसाइल और गैरेज में रॉकेट होगा, उसके पास घर नहीं होगा। इजरायल अपने सटीक हमले में हिजबुल्ला के टॉप कमांडरों को भी निशाना बना रहा है। ताजा उदाहरण इब्राहिम कुबैसी का है। 24 सितंबर को इजरायल की तरफ से किए गए हमले में उसकी मौत हो गई।

इजरायली एजेंसियों के कारनामे हमेशा चर्चा में रहते हैं। माइकल बेन जोहार और निसिम मिसाल ने अपनी किताब मोसाद में लिखा है कि अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए स्टेट को कुछ न कुछ ऐसा करना पड़ता है जो लोकतांत्रिक नहीं होता। ये सच है कि इसकी हदें अक्सर पता नहीं चलती। इसलिए आपको सबसे बेहतरीन लोगों को चुनना होता है। सबसे गंदे काम सबसे ईमानदार लोगों से कराए जाने चाहिए।

वेस्ट एशिया के पश्चिमी छोर पर बसा हुआ देश इजरायल भूमध्य सागर से इसकी सीमाएं लगती हैं। बाकी तीन दिशाओं में अरब देश हैं। नार्थ में लेबनना और सीरिया, ईस्ट में जॉर्डन और साउथ में इजिप्ट है। इजरायल का जिक्र होता है तो इसकी खुफिया एजेंसी मोसाद का भी जिक्र आम है। सबसे सटीक या चकित करने वाला ऑपरेशन उसे माना जाता है जब किसी ऐसी चीज को हथियार बनाया जाए, जिसकी कल्पना भी मुश्किल हो। इस संदर्भ में इजरायली एजेंसी मोसाद के किस्से आम हैं।

इजरायली एजेंसियों के कारनामे हमेशा चर्चा में रहते हैं। माइकल बेन जोहार और निसिम मिसाल ने अपनी किताब मोसाद में लिखा है कि अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए स्टेट को कुछ न कुछ ऐसा करना पड़ता है जो लोकतांत्रिक नहीं होता। ये सच है कि इसकी हदें अक्सर पता नहीं चलती। इसलिए आपको सबसे बेहतरीन लोगों को चुनना होता है। सबसे गंदे काम सबसे ईमानदार लोगों से कराए जाने चाहिए।

इजरायल एक साल से युद्ध लड़ रहा है। एक ओर हमास से उसकी लड़ाई जारी है तो दूसरी ओर हिजबुल्ला पर भी इजरायल ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। हाल ही में लेबनान में पेजर वॉकी टॉकी ब्लास्ट से दहशत फैली थी। हिजबुल्ला अभी संभलता कि एक बार फिर इजरायल ने फाइटर जेट से लेबनान में मिसाइल बम अटैक करके उसे पूरी तरह से बैकफुट पर कर दिया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान के लोगों को दूसरी चेतावनी भी जारी की, जिसमें उनसे खतरे से दूर रहने का आग्रह किया गया। एक्स पर एक पोस्ट में इजरायल के प्रधानमंत्री ने कहा कि हम हिजबुल्लाह पर हमले जारी रखेंगे। जिस किसी के लिविंग रूम में मिसाइल और गैरेज में रॉकेट होगा, उसके पास घर नहीं होगा। इजरायल अपने सटीक हमले में हिजबुल्ला के टॉप कमांडरों को भी निशाना बना रहा है। ताजा उदाहरण इब्राहिम कुबैसी का है। 24 सितंबर को इजरायल की तरफ से किए गए हमले में उसकी मौत हो गई। ऐसे में आइए जानते हैं कि कैसे इजराइल हिजबुल्लाह की कमर तोड़ रहा है और उसके टॉप लीडर्स की सूची को खाली कर रहा है।

इब्राहिम कुबैसी – इजराइली सेना ने कहा है कि उसने बेरूत पर एक हमले में हिजबुल्ला की मिसाइल और रॉकेट इकाई के एक शीर्ष कमांडर को मार गिराया है। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि इब्राहिम कोबेसी मारा गया तथा वह इजराइल की ओर मिसाइल और रॉकेट हमले करने के लिए जिम्मेदार था। इजराइली सेना ने कहा कि हमले के समय कोबेसी के साथ अन्य प्रमुख कमांडर भी थे, लेकिन अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि इसमें क्या कोई अन्य मारा गया या घायल हुआ है। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कुबैसी को हिज्बुल्लाह के रॉकेट और मिसाइल डिवीजन का प्रमुख बताया। आईडीएफ ने कहा पिछले कई सालों से और युद्ध के दौरान, वह इजराइली होम फ्रंट पर लॉन्च के लिए जिम्मेदार था। उसे हिज्बुल्लाह के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व का करीबी भी बताया गया। इजराइल का दावा है कि कुबैसी 1980 के दशक में हिजबुल्लाह में शामिल हो गया था और उसने बद्र क्षेत्रीय प्रभाग के प्रमुख सहित विभिन्न भूमिकाओं में काम किया था। आईडीएफ ने यह भी कहा है कि यह कुबैसी ही था जिसने 2000 में माउंट डोव में अपहरण हमले की योजना बनाई थी। इस ऑपरेशन में आईडीएफ के स्टाफ सार्जेंट बेन्यामिन अवराम, स्टाफ सार्जेंट आदि अवितान और स्टाफ सार्जेंट उमर सवैद की जान चली गई थी। वाईनेट न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार कुबैसी को हाल ही में हिज्बुल्लाह के महासचिव हसन नसरल्लाह को सीधे रिपोर्ट करने के लिए नियुक्त किया गया था।

अली कराकी –आईडीएफ ने लेबनान पर हवाई हमले भी किए थे, अधिकारियों ने कहा कि यहूदी राष्ट्र हिजबुल्लाह के दक्षिणी मोर्चे के कमांडर अली कराकी को निशाना बना रहा था। उन्हें हिजबुल्लाह के शीर्ष सैन्य निकाय जिहाद परिषद का सदस्य भी कहा जाता है। एक लेबनानी अधिकारी ने स्काई न्यूज अरेबिया को बताया कि कराकी हमले में मारा गया, हिजबुल्लाह ने कहा कि हत्या का प्रयास विफल रहा और उसे सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है।

इब्राहिम अकील – बीते हफ्ते लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी विस्फोटों के कुछ ही दिनों बाद, इजराइल ने बेरूत में एक आवासीय क्षेत्र को निशाना बनाया और हिज्बुल्लाह के दो शीर्ष सैन्य कमांडरों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को मार डाला। मारे गए लोगों में से एक इब्राहिम अकील था, जो हिजबुल्लाह के राडवान फोर्स का एक टॉप लीडर भी था। आईडीएफ ने हत्या की पुष्टि करते हुए कहा कि इब्राहिम अकील के हाथों पर इजरायली, अमेरिकी, फ्रांसीसी, लेबनानी और कई अन्य निर्दोष लोगों का खून लगा था। आईडीएफ के अनुसार, 62 वर्षीय अकील ने फुआद शुक्र की हत्या के बाद हिजबुल्लाह के सशस्त्र बलों के दूसरे-इन-कमांड के रूप में कार्यभार संभाला था। अकील 1980 के दशक में हिजबुल्लाह में शामिल हो गया और समूह के भीतर एक छायादार व्यक्ति बना रहा, जिसने कोई सार्वजनिक उपस्थिति या बयान नहीं दिया। 1983 में बेरूत में अमेरिकी दूतावास पर हुए बम विस्फोटों में कथित भूमिका के लिए वह अमेरिका द्वारा वांछित था, जिसमें 63 लोग मारे गए थे। अमेरिकी मरीन कॉर्प्स बैरक पर हुए बम विस्फोटों में 241 अमेरिकी लोगों की जान चली गई थी।

फुआद शुक्र – हिजबुल्लाह ने 28 जुलाई को गोलान हाइट पर हमला किया था, जिसमें 13 बच्चों की मौत हो गई थी। इस पर इजराइल ने उचित समझे जाने पर जवाबी कार्रवाई करने की कसम खाई। बाद में 30 जुलाई को इजराइल ने शीर्ष सैन्य कमांडर फुआद शुक्र को निशाना बनाते हुए लेबनान की राजधानी बेरूत पर हमला कर दिया। अल-हज मोहसिन के नाम से भी जाने जाने वाले शुक्र 1982 में लेबनान पर इजरायल के आक्रमण के दौरान हिजबुल्लाह के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। वह हिजबुल्लाह प्रमुख सैयद हसन नसरल्लाह के दाहिने हाथ भी थे। अटलांटिक काउंसिल थिंक-टैंक के साथ हिजबुल्लाह के विशेषज्ञ निकोलस ब्लैनफोर्ड के अनुसार, अल जजीरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, शुक्र हिजबुल्लाह के हाई टेक हथियारों को प्राप्त करने के लिए भी जिम्मेदार था, जिसमें सटीक-निर्देशित मिसाइलें, क्रूज मिसाइलें, एंटी-शिप मिसाइलें, लंबी दूरी के रॉकेट और यूएवी शामिल हैं। इजराइल द्वारा वांछित होने के अलावा, शुक्र अमेरिका की तरफ से भी वांटेड घोषित था। उसने 1983 में बेरूत में अमेरिकी मरीन बैरकों पर बमबारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसमें 241 अमेरिकी सैन्यकर्मी मारे गए थे।

अन्य हिजबुल्लाह कमांडर –इजराइल ने यह भी दावा किया है कि उसने हिजबुल्लाह के अन्य वरिष्ठ कमांडरों जैसे कि नस्र क्षेत्रीय डिवीजन के कमांडर तालेब अब्दुल्ला और अजीज क्षेत्रीय डिवीजन के कमांडर मोहम्मद नासिर को भी मार गिराया है। इसके अलावा, लेबनानी समूह के कुलीन राडवान फोर्स के उप प्रमुख विसम अल-ताविल को 8 जनवरी को दक्षिणी लेबनान में एक हमले में मार दिया गया, जिसके लिए इजराइल को दोषी ठहराया गया।

हिंदुत्व में रुकावट हैं दलितों पर अत्याचार

विगत दिनों सुप्रीम कोर्ट ने इस वर्ग में अति पिछड़ों को अलग से आरक्षण देने और क्रीमी लेयर को आरक्षण से बाहर करने पर फैसला दिया तो सभी दलों और संगठनों ने जमकर शोर-शराबा किया। इसके विपरीत इन पर होने वाले अत्याचारों और विकास के मुद्दों पर राजनीतिक दलों का कोई सरोकार नहीं है। एक तरफ अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, दूसरी तरफ दलितों पर अत्याचारों के मामले बढ़ रहे हैं।

हिंदुओं की एकता की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी का यह सपना शायद ही कभी पूरा हो सकेगा। देश में अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचारों के मामले में देशभर में उत्तरप्रदेश पहले, मध्यप्रदेश दूसरे और राजस्थान तीसरे स्थान पर है। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि हाशिए पर रह रहे इन वर्गों पर अत्याचारों का मामला राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बन सका। इन वर्गों की दुहाई के लिए घड़ियाली आंसू बहाने वाले राजनीतिक दलों और संगठनों ने इन अत्याचारों पर धरना-प्रदर्शन करना तो दूर, मुंह तक नहीं खोला। भाजपाशासित राज्यों में एससी-एसटी पर अत्याचार शीर्ष पर होने के बावजूद यह मुद्दा चिंता का विषय नहीं बन सका। अत्याचारों के आंकड़ों की यह तस्वीर भाजपा के हिंदुओं के एकता प्रयासों की सच्चाई उजागर करती है। एक सरकारी रिपोर्ट से पता चला है कि वर्ष 2022 में अनुसूचित जातियों (एससी) के खिलाफ 97.7 प्रतिशत अत्याचार 13 राज्यों में केंद्रित थे, जिनमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में ऐसे मामलों की सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश में 12287 मामले (23.78 प्रतिशत), राजस्थान में 8651 मामले (16.75 प्रतिशत) और मध्य प्रदेश में 7732 मामले (14.97 प्रतिशत) दर्ज किए गए। इसके अलावा अन्य राज्यों में अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें बिहार में 6799 मामले (13.16 प्रतिशत), ओडिशा में 3576 मामले (6.93 प्रतिशत) और महाराष्ट्र में 2706 मामले (5.24 प्रतिशत) शामिल हैं। वर्ष 2022 में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज किए गए कुल मामलों में से लगभग 81 प्रतिशत केवल इन छह राज्यों में दर्ज किए गए। इस अधिनियम के तहत 2022 में अनुसूचित जातियों के खिलाफ कुल 51656 मामले दर्ज किए गए। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि ये मामले भारतीय दंड संहिता के तहत भी दर्ज किए गए थे। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि एसटी के खिलाफ अत्याचार के अधिकांश मामले भी 13 राज्यों में हुए।

एसटी से जुड़े 9735 मामलों में से मध्य प्रदेश में 2979 मामले (30.61 प्रतिशत), राजस्थान में 2498 मामले (25.66 प्रतिशत) और ओडिशा में 773 मामले (7.94 प्रतिशत) दर्ज किए गए। एसटी से संबंधित अन्य मामलों में महाराष्ट्र में 691 मामले (7.10 प्रतिशत) और आंध्र प्रदेश में 499 मामले (5.13 प्रतिशत) शामिल हैं। इस रिपोर्ट में जांच और चार्जशीट से संबंधित डेटा भी प्रस्तुत किया गया है। अनुसूचित जाति से संबंधित मामलों में 60.38 प्रतिशत मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए, जबकि झूठे दावों या सबूतों की कमी के कारण 14.78 प्रतिशत मामलों में अंतिम रिपोर्ट दी गई। वर्ष 2022 के अंत तक 17166 मामलों की जांच अभी भी लंबित थी। अनुसूचित जनजाति से संबंधित मामलों में 63.32 प्रतिशत मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए, जबकि 14.71 प्रतिशत मामलों में अंतिम रिपोर्ट दी गई। 2022 के अंत तक 2702 मामलों की जांच जारी थी। रिपोर्ट में एक प्रमुख चिंता अधिनियम के तहत दोषसिद्धि दर में गिरावट है। साल 2022 में यह दर 2020 के 39.2 प्रतिशत से घटकर 32.4 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट में इन मामलों के निपटारे के लिए विशेष अदालतों की अपर्याप्त संख्या पर भी चिंता व्यक्त की गई है। 14 राज्यों के 498 जिलों में से केवल 194 जिलों ने विशेष अदालतें स्थापित की हैं ताकि मामलों की तेजी से सुनवाई हो सके। रिपोर्ट में ऐसे विशिष्ट जिलों की पहचान की गई है जहां अत्याचार की घटनाएं काफी अधिक हैं, लेकिन केवल 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने ऐसे जिलों की घोषणा की है। उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में, जहां अनुसूचित जाति से संबंधित मामलों की अधिक संख्या दर्ज की गई, वहां कोई अत्याचार-ग्रस्त जिला नहीं बताया गया।

रिपोर्ट में जाति आधारित हिंसा को रोकने और कमजोर समुदायों के लिए मजबूत सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इन जिलों में हस्तक्षेप करने का आह्वान किया गया है। अनुसूचित जाति-जनजाति पर अत्याचारों की रोकथाम करने के लिए किए गए सरकारी उपाय दिखावटी साबित हुए हैं। यह समस्या सुरसा की तरह मुंह फाड़े चली आ रही है। आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में एससी/एसटी संरक्षण प्रकोष्ठ स्थापित किए गए हैं। बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, केरल और मध्य प्रदेश में एससी/एसटी अपराधों से निपटने के लिए विशेष पुलिस स्टेशन स्थापित किए गए हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो इन वर्गों पर अत्याचारों के मामले में पुलिस की भूमिका पर सवालिया निशान लगते रहे हैं।

यदि पुलिस ईमानदारी से कार्रवाई करती तो अत्याचारों के इन आंकड़ों की नौबत नहीं आती। एससी-एसटी अधिनियम-1989 संसद द्वारा पारित एक अधिनियम है जो एससी एवं एसटी समुदायों के सदस्यों के विरुद्ध भेदभाव का निषेध करने तथा उनके विरुद्ध अत्याचार को रोकने के लिए बनाया गया है। यह अधिनियम इस निराशाजनक वास्तविकता को भी स्वीकार करता है कि अनेक उपाय करने के बावजूद अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों को उच्च जातियों के हाथों विभिन्न प्रकार के अत्याचारों का सामना करना पड़ रहा है। यह अधिनियम संविधान के अनुच्छेद 15 (भेदभाव का प्रतिषेध), 17 (अस्पृश्यता का उन्मूलन) और 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण) में उल्लिखित संवैधानिक सुरक्षा उपायों को ध्यान में रखते हुए लागू किया गया है, जिसका दोहरा उद्देश्य इन कमजोर समुदायों के सदस्यों की सुरक्षा के साथ-साथ जाति आधारित अत्याचारों के पीड़ितों को राहत और पुनर्वास प्रदान करना है। संशोधित एससी/एसटी अधिनियम-2018 में प्रारंभिक जांच अनिवार्य नहीं है और इन पर अत्याचार के मामलों में एफआईआर दर्ज करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की नियुक्ति हेतु प्राधिकारी की पूर्व अनुमति की भी आवश्यकता नहीं है। एससी-एटी के उत्थान के लिए बनी संसदीय समिति की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले चार वर्षों में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने संसद में एक भी रिपोर्ट पेश नहीं की है।

पेजर, मोबाइल को बम न बनाया जाए

बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में जासूसी की दुनिया की सबसे चर्चित कहानी थी एक्सप्लोडिंग सिगार की, यानी ऐसा सिगार, जो सुलगने के साथ बम की तरह फट जाए। क्यूबा के नेता फिदेल कास्त्रो को सिगार पीने का शौक था। कहा जाता है कि कास्त्रो को मारने के लिए अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए ने कुछ ऐसे सिगार क्यूबा भेजे थे, जिनमें बम फिट था। यह व्यवस्था भी की गई थी कि इनमें से एक सिगार फिदेल कास्त्रो को पेश किया जाए। मगर जब वह मौका आया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सिगार में फिट किया गया विस्फोटक भीग गया था, इसलिए वह फुस्स हो गया। इस वाकये में कितनी कहानी है और कितना सच, यह आज तक स्पष्ट नहीं हो सका, लेकिन इस पर चर्चा खूब हुई। इसे लेकर बहुत सारे कार्टून बने और कई पत्रिकाओं ने तो इस पर आवरण कथा तक छापी। इस किस्से के सच और झूठ को लेकर भले ही संशय हो, लेकिन यह जरूर कहा जाता है कि इसके बाद लंबे समय तक राजनय की दुनिया में सिगार को शक की नजरों से देखा जाता रहा।

पिछले हफ्ते लेबनान में जिस तरह से हजारों रेडियो पेजर में एक साथ विस्फोट हुआ और फिर अगले ही दिन वॉकी-टॉकी बम की तरह फूटते, लोगों की जान लेते और उन्हें घायल करते दिखाई दिए, उसने एक्सप्लोडिंग सिगार के किस्सों को बहुत पीछे छोड़ दिया है। सीआईए जहां नाकाम हो गई थी, इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद उसके बहुत आगे जाकर कामयाब रही। पूरे ऑपरेशन को जिस अचूक तरीके से अंजाम दिया गया, वैसी कल्पना तो शायद जासूसी साहित्य लिखने वालों ने भी नहीं की थी। हकीकत कई बार फसानों से ज्यादा हैरत में डालने वाली होती है और कहीं ज्यादा भयावह भी।

हिज्बुल्लाह को यह लगता था कि नई तकनीक में ऐसे कई पेच हैं, जिनसे उसकी गतिविधियों का पता आसानी से लगाया जा सकता है, इसलिए उसने पुरानी तकनीक की ओर लौटने में भलाई समझी थी। उसने स्मार्टफोन छोड़ दिए और उनकी जगह सदी पुरानी तकनीक को यह सोचकर गले लगाया कि इसमें कोई जोखिम नहीं। जी हां, एक सदी पुरानी तकनीक- पेजर का अविष्कार सन् 1921 में हुआ था। यह बात अलग है कि बड़े पैमाने पर इसके व्यावसायिक इस्तेमाल में लगभग आधी सदी लग गई। मगर मोसाद ने इस पुरानी तकनीक को ही हथियार में बदलकर यह साबित कर दिया कि अगर युद्ध में सब कुछ जायज है, तो सुरक्षित अब कोई भी नहीं है। चाहे उसके हाथ में कैसी भी तकनीक क्यों न हो!

इन विस्फोटों को हुए कई दिन बीत चुके हैं और अभी तक हम पूरी तरह नहीं जान सके हैं कि कई स्तरों पर होने वाला यह काम कैसे किया गया होगा? सिर्फ अटकलें हैं और उसके आधार पर होने वाले विश्लेषण। पेजर के अंदर कैसे विस्फोटक लगाया गया होगा और एक मैसेज से उसमें विस्फोट की प्रोग्रामिंग कैसे की गई होगी, इस सवाल पर पहुंचने का तो अभी समय भी नहीं आया। विस्फोट के बाद पहले कुछ दिन तक यही तय नहीं हो सका कि ये पेजर कहां बने थे और किस रास्ते से लेबनान पहुंचे।

यह कोई पहेली नहीं, बल्कि नतीजा है उस विश्व व्यवस्था का, जिसे हम ग्लोबल सप्लाई चेन, यानी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला कहते हैं। इस व्यवस्था में कोई भी उत्पाद कई हाथों, अनेक उत्पादकों और कई आपूर्ति चैनलों से गुजरता हुआ जब बाजार में पहुंचता है, तो ठीक-ठीक यह बता पाना मुश्किल होता है कि यह उत्पाद मूल रूप से कहां का है? इसका एक उदाहरण बांग्लादेश में बनने वाले रेडीमेड कपड़े हैं। इनमें बटन चीन के लगते हैं, धागा भारत का होता है, लेबल किसी यूरोपीय फैशन डिजाइनिंग हाउस का चिपकाया जाता है और फिर अमेरिका की मार्केटिंग कंपनियां उसे दुनिया भर में बेचती हैं। इन सबके बीच में कई बिचौलियों की भी भूमिका होती है और कई दूसरी तरह की भूमिकाएं निभाने वाला सर्विस सेक्टर भी अपने हिस्से के कामों को अंजाम देता है। यह तकरीबन हर तरह के उत्पाद के मामले में हो रहा है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के मामले में तो यह प्रक्रिया और भी जटिल होती है, क्योंकि इसमें हर स्तर पर भागीदारी करने वालों की संख्या कई गुना ज्यादा हो जाती है।

ग्लोबल सप्लाई चेन की यह अवधारणा पिछली सदी के अंतिम वर्ष में मैरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध में दी गई थी। इसके पीछे की सोच यह थी कि इससे समय व संसाधनों की बबार्दी को रोका जा सकेगा और इससे हर स्तर पर जुड़ी कंपनियों का मुनाफा भी बढ़ेगा। संसाधनों की बचत और मुनाफे में वृद्धि दो ऐसे वादे थे, जिससे वैश्विक कॉरपोरेट जगत ने इस सोच को तुरंत गले लगा लिया। भले ही रेडियो पेजर का व्यावसायिक इस्तेमाल आविष्कार के करीब आधी सदी बाद ही शुरू हो सका हो, लेकिन ग्लोबल सप्लाई चेन की अवधारणा को जमीन पर उतरने में चंद वर्ष भी नहीं लगे।

अनुपपुर जैतहरी कोतमा झेल रहे मोजर बेयर की राखड का दंस पर्यावरण पूरी तरह प्रभावित

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनुपपुर, अनुपपुर जैतहरी इस्थित मोजर बेयर पावर प्लांट नही कर रहा प्रदूषण नियंत्रण नियम का पालन मोजर बेयर को प्रदूषण नियंत्रण विभाग कैसे एन ओ सी दे कर रखा है, ये जांच का विसय है क्युकी मोजर बेयर लगातार प्रदूषण नियंत्रण विभाग के नियमो का उलंघन करता दिखाई पड़ता है , या ये कहे की उन नियमो की परवाह नहीं करता जिसका एक उदाहरण मोजर बेयर से निकलने वाली रखड़ का उचित प्रबंधन न होना उसे एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने हेतु नियमो का पालन न करना राखड़ को कही भी गिरा देना या छमता से अधिक राखड खुले ट्रालो में लोड कर जैतहरी अनुपपुर शहर के बीच में से गुजरना ये सब मोजर बेयर के लिए आम बात है जबकि जब राख़ड से भरे ओवर लोडिंग ट्रक शहर के बीच में से गुजरते है तो राखड यह वहा उड़ती गिरती रहती है जिसका कोई उचित प्रबंधन मोजर बेयर द्वारा नही किया गया है ये राखड़ की डस्ट लोगो की स्वास नाली में जागर लोगों को बीमार कर रही है कई वेक्तियो को अस्थमा फेफड़े में संक्रमण जैसी गंभीर बीमारियां हो रही है , अनुपपुर प्रशासन इस पर जल्द से जल्द कोई संज्ञान लेते हुए उचित कार्यवाही कर इस राखड के प्रदूषण से अनुपपुर की जनता को निजात दिलाए , मोजर बेयर की रखड़ द्वड्ढद्बह्ल कंपनी द्वारा कोतमा के पास स्थित रेउला ग्राम में भी डस्ट पटाई हेतु ले जाया जाता है जिससे वहा भी प्रदूषण फैल रहा है एवं ट्रक के ओवर लोडिंग होने के कारण कोतमा से निग्वानी रोड भी पूरी तरह खराब हो रही है कृपया प्रशासन जल्द से जल्द इस पर कोई उचित कार्यवाही करे।

कोतमा पुलिस द्वारा मवेशी से लद्दा ट्रक को किया जप्त

चालक/तस्करों के खिलाफ की गई एफआईआर

सुशील सोनी । सिटी चीफ

दिनांक 28.9.2024 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि चंगेरी लहसुई गांव तरफ से एक ट्रक जिसमें मवेशी लोड कर परिवहन करने की सूचना पर हमराह पुलिस स्टाफ के मौके से जाकर चंगेरी रेलवे अंडर ब्रिज के पास बड़ी सूझबूझ से रोड पर एक दूसरा ट्रक खड़ा कर मवेशी से लोड ट्रक को रोकर चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम निजामुद्दीन अहमद पिता मोबीन अहमद उम्र 42 वर्ष निवासी बरीपुर मूरतगंज थाना कोखराज जिला कौशांबी उत्तर प्रदेश का होना बताया तथा ट्रक क्रमांक एमपी 09 एचजी 2400 में लोड सामान के संबंध में पूछने पर 21 नग भैंसा भैंसी पड़वा लोड होना जिसके परिवहन के संबंध में कोई दस्तावेज न होना बताया तथा वाहन मालिक द्वारा बताया कि बल्लू खान का माल है डुल्लू खान निवासी लहसुई गांव के बाडा में लखन साहू निवासी गढ़ी एवं रामकुमार साहू निवासी छुल्हा के द्वारा मवेशी इकट्ठे करके रखे हैं डुल्लू खान से संपर्क कर लोड कर लाने के लिए कहने पर लोड कर लेकर जाना बताया उक्त ट्रक में 21 नग भैंसा भैंसी मवेशी मय ट्रक के जप्त की गई कुल कीमती 16 लाख ?10000 रूपए की जप्त की गई मवेशियों को सुरक्षार्थ कांजी हाउस में रखवाया गया है आरोपी चालक निजामुद्दीन अहमद, बल्लू खान, डल्लू खान, लखन साहू, रामकुमार साहू के विरूद्ध मध्य प्रदेश कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6,6 (क) 11 एवं पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 घ तथा चालक द्वारा बिना परमिशन के पशु तस्कर करने से मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 130/ 177(3), 66/192 ए के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है चालक के अलावा सभी आरोपी फरार हैं उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी सुंद्रेश सिंह, प्रधान आरक्षक दिनेश राठौर, रामखेलावन यादव, आरक्षक अभय त्रिपाठी चक्रधर तिवारी, दिनेश किराडे एवं साइबर सेल आरक्षक पंकज मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

2 अक्टूबर को विश्व शांति एवं स्वस्थ दमोह की कामना से दौड़ेगा दमोह

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, आगामी दो अक्टूबर को भगवान महावीर स्वामी पच्चीस सौ पचास निर्वाण महोत्सव एवं स्वच्छता पखवाड़े के समापन पर जैन मिलन नगर प्रमुख शाखा दमोह द्वारा आयोजित होगी वृहद मैराथन, जिसमें मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री जयंत मलैया, दमोह लोकसभा क्षेत्र के युवा सांसद राहुल सिंह लोधी सहित प्रशासनिक अधिकारी डाक्टर वकील शिक्षक एवं 500से अधिक छात्र छात्राओं के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक महिला पुरुष प्रतिभाग कर रहे हैं उक्त जानकारी देते हुए मैराथन प्रभारी अनिमेष सिंघई ने बताया की मैराथन के रजिस्ट्रेशन का आज आखिरी दिन है दमोह नगर में प्रथम वार यह आयोजन किया जा रहा है जिसमें सांसद विधायक के साथ जनप्रतिनिधि एवं आयोजन समिति ने जिलाधीश, जिला पुलिस अधीक्षक के साथ ही सभी प्रशासनिक अधिकारियों को भी मैराथन में प्रतिभाग करने के लिए आमंत्रित किया है

शाखा के मंत्री मुकेश जैन मम्मा ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी पच्चीस सौ पचास निर्वाण महोत्सव अंतर्गत पूरे देश में भारतीय जैन मिलन द्वारा पूरे देश में दो सौ से अधिक स्थानों पर एक साथ यह आयोजन किया जा रहा है जैन मिलन नगर प्रमुख शाखा दमोह ने भी आयोजन की संपूर्ण तैयारी कर ली है मैराथन पांच किलोमीटर मार्ग पर विभिन्न संस्थाओं द्वारा पानी और गुलूकोष की व्यवस्था की जा रही है साथ ही संपूर्ण प्रतिभागियों को स्वल्पाहार की संपूर्ण व्यवस्था शाखा द्वारा की गई है दिलेश चौधरी अरुण जैन कोर्ट, सुधीर जैन डवलू, संजीव जैन शाकाहारी महेंद्र जैन, जिनेन्द्र जैन मंडला, सचिंद्र जैन, आदि ने सभी से इस मेराथन में शामिल होने का निवेदन किया है।

सोनेवानी जंगल पर्यटन पूर्व सड़को की मरम्मत हो- अनीस खान

49 बाघ व प्राकृतिक दृश्य पर्यटको लुभाते है

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, ब्लाक मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा के युवा सरपंच व बालाघाट विधानसभा छेत्र 111 के विधायक प्रतिनिधि,जिला पंचायत बालाघाट अनीस खान ने सोनेवानी अभ्यारण संघर्ष समिति व जिप्सी संघठन लालबर्रा की मांग पर वन विभाग लालबर्रा को पत्र लिखकर जंगल के अंदर के रास्तों की साफ सफाई व मरम्मत की मांग की है ज्ञात हो कि आगामी 1 अक्टूबर से सम्पूर्ण नेशनल पार्क व वन्यजीव अनुभव छेत्र आम जनता के लिए खोल दिए जाने के पूर्व जंगल के अंदर की सड़कों की साफ सफाई व जंगल के अंदर सड़को की आवागमन हेतु पत्र लिखा। बालाघाट जिले के वन परिछेत्र लालबर्रा अंतर्गत आने वाले सोनेवानी के जंगल पर्यटकों के लिए खास व सरल - सुगम माने जाते हैं जो कि पिछले आकड़ो के अनुसार 49 बाघ की बहुतायत संख्या पर्यटकों को यहाँ खींच कर लाती है।

ज्ञात हो कि आगामी 1 अक्टूबर से प्रदेश भर में जंगल-भृमण हेतु गेट खोल दिये जायेंगे। लालबर्रा सरपंच अनीस ने बताया कि उन्होंने वन परिछेत्र अधिकारी को पत्र लिखकर इस हेतु चर्चा भी की है, जंगल के अंदर सड़क किनारे बड़ी बड़ी झाड़ियों के साथ ही बरसात के कारण कुछ स्थानों पर सड़क की मिट्टी की खिसक गई है जिसे पर्यटकों के जंगल भृमण पूर्व सफाई व मरम्मत किया जाना आवश्यक है जिससे कि पर्यटक बाघ, तेंदुआ, सांभर, चीतल, जंगली भैंस, मोर, भालू इत्यादि वन्य जीवों का आसानी से दर्शन कर सके।

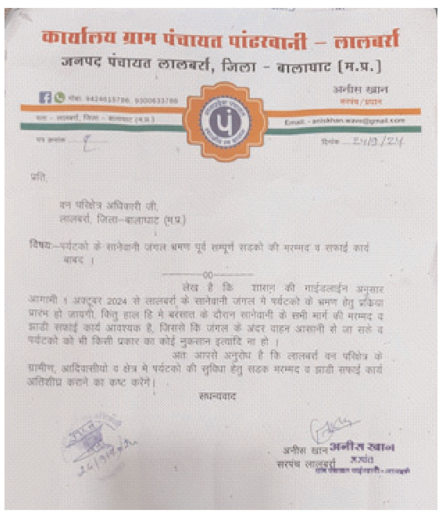
कार्यालय ग्राम पंचायत पांढरवानी - लालबर्रा
जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला - बालाघाट (म.प्र.)
अनीस खान
सरपंच/प्रधान

प्रति,
वन परिक्षेत्र अधिकारी जी,
लालबर्रा, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

विषय:-पर्यटकों के सोनेवानी जंगल भ्रमण पूर्व सम्पूर्ण सड़कों की मरम्मद व सफाई कार्य बाबद।

धन्यवाद

अनीस खान
सरपंच लालबर्रा

कन्या शिक्षा परिसर अनूपपुर में छात्राओं को गुड टच-बैड टच की दी गई जानकारी

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की सहायक संचालक व कन्या शिक्षा परिसर प्राचार्य एवं सभी शिक्षक उपस्थित थे

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, बालकों के लैंगिक संरक्षण हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न स्कूलों, आंगनबाड़ी में गुड टच-बैड टच एवं बालकों के लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम की जानकारी दी जा रही है। इस परिप्रेक्ष्य में शुक्रवार 27 सितम्बर को शासकीय कन्या शिक्षा परिसर अनूपपुर मे छात्राओं को गुड टच-बैड टच एवं बालकों के लैंगिक अपराध संरक्षण अधिनियम की जानकारी दी गई। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की सहायक संचालक श्रीमती मंजूषा शर्मा कन्या शिक्षा परिसर के प्राचार्य फूल सिंह पट्टावी शिक्षक- सुरेश कुमार तिवारी, सन्तोष शुक्ला, पुष्पेंद्र अहिरवार ,धनपत पटेल,सन्तोष पटेल, अमित भारती, बंसल, जानमोहम्मद, शिक्षिका-ललिता मार्को, विमलेश बान्धव, नीतू यादव, नेहा खान, सरिता पाल, पूजा विश्वकर्मा, बबली साहू, अफ़साना , शाहीन, पूजा राठौर, नीतू सोनी,नीतू पटेल, नीलम मिश्रा, प्रियंका राठौर, पप्पी राठौर सभी शिक्षक उपस्थित थे।

देवबन्द की ऐतिहासिक श्रीकृष्ण शोभायात्रा की समीक्षा संपन्न

आगामी वर्षों में खाटू श्याम जी के मंदिर तक प्रभु का स्वर्णिम रथ ले जाना हुआ स्वीकृत

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

देवबंद (सहारनपुर), देवबंद नगर के मुख्य बाजार स्थित प्राचीन, ऐतिहासिक ठाकुरद्वारा मन्दिर से गत 28 अगस्त को मंदिर कमेटी श्री पंचायती ठाकुरद्वारा सभा (रजि.) के तत्वावधान में परम्परागत निकाली गई श्री कृष्ण शोभायात्रा की समीक्षा बैठक मन्दिर भवन में सौल्लास सम्पन्न हुई। बैठक में महामंत्री राकेश कुमार अग्रवाल ने शोभायात्रा महोत्सव सम्बन्धित जन सहयोग, चन्दा, दान, चढावा आदि से प्राप्त सम्पूर्ण आय-व्यय एवं बचत का व्यौरा प्रस्तुत किया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे सभा अध्यक्ष विनोद प्रकाश गुप्ता ने अपने सम्बोधन में कहा कि शोभायात्रा से उपरोक्त बचत की धनराशि मंदिर व रथशाला के मरम्मत, निर्माण एवं विकास कार्यो हेतु सुरक्षित रखी गई है। अध्यक्ष गुप्ता ने महोत्सव कार्यक्रम में परिश्रम एवं अन्य सहयोग करने वाले सभी सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया और इसी के साथ नव मनोनीत सदस्यों को बधाई दी। बैठक में कोषाध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता के इस प्रस्ताव को भी सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई कि श्री कृष्ण शोभायात्रा के चलते प्रभु के स्वर्णिम रथ और श्री कृष्ण-बलराम के स्वरूप रथों को देवीकुण्ड मैदान पर जाने के बाद कंस दहन से पूर्व नवनिर्मित भगवान श्री खाटू श्याम के मन्दिर तक ले जाना श्रद्धालुजनों की भावना के अनुरूप होगा।

बैठक में अध्यक्ष विनोद प्रकाश गुप्ता, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता, आडिटर मुकेश गर्ग, श्रवण कुमार सिंघल, राधेश्याम गर्ग, पवन कुमार पाल, ऋषिपाल कश्यप, अजय गुप्ता एडवोकेट, राजीव गुप्ता, अजय गर्ग, अभिनव गोयल, पुनीत बंसल आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत सीपीपीआरआई सहारनपुर में सफाई मित्र जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न जनकल्याण योजनाओं के बारे में दी गयी जानकारी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार स्वछता ही सेवा अभियान के अंतर्गत केंद्रीय कागज़ एवं अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई), सहारनपुर में मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय के सहयोग से एक की सफ़ाई मित्र जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ज़िला स्वच्छता सलाहकार, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण देवभास्कर पाण्डेय ने संस्थान के सफ़ाई मित्रों को भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न जनकल्याण योजनाओं के बारे जानकारी दी। कार्यक्रम में संस्थान के सफ़ाई मित्रों व वैज्ञानिकों को स्वच्छता की शपथ दिलायी गई। यह कार्यक्रम सीपीपीआरआई के डॉ. नितिन एंडले, वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक एवं स्वच्छता अभियान नोडल अधिकारी के देखरेख में आयोजित किया गया। सत्यदेव नेगी, मोहम्मद सालिम, अमिताभ त्रिपाठी, अजय कुमार ने कार्यक्रम आयोजन में सहयोग दिया। कार्यक्रम में अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अश्वनी दीक्षित, सुश्री डॉ प्रीति एस लाल, सुश्री अनुराधा वी जनबाडे, डॉक्टर संजय त्यागी एवं सुश्री बनर्जी शोम की भी उपस्थिति रही।

कोतवाली पुलिस द्वारा अवैध कबाड़ से भरा ट्रक जप्त, आरोपी गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, दिनांक 27.09.24 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि आयशर वाहन क्रमांक एम.पी. 20 जी ए 8735 में अवैध कबाड़ लोड कर बिक्री हेतु जबलपुर तरफ लेकर जा रहा है। सहायक उपनिरीक्षक सुरेन्द्र प्रताप सिहं, प्रधान आरक्षक शेख रसीद द्वारा सूचना की तस्दीक करने पर आयशर वाहन क्रमांक एम.पी. 20 जी ए 8735 लोहा, टीना, प्लास्टिक का अवैध कबाड़ लोड होना पाये जाने पर लोड कबाड़ 6865 किलो ग्राम कीमती करीब 90 हजार रूपये, वाहन कीमती करीब 800000 रूपये को जप्त कर आरोपी चालक सतेन्द्र कुशवाहा पिता रज्जूलाल कुशवाहा उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम मोहला थाना सिहोरा जिला जबलपुर के विरूद्ध थाना कोतवाली अनूपपुर में इस्तगासा क्रमांक 06/24 धारा 35(1)ड बी.एन.एस.एस. 303(2) बी.एन.एस. पंजीबद्ध कर कार्यवाही की जा रही है।

शासकीय गजरा राजा मेडिकल महाविद्यालय ग्वालियर में अनूपपुर की बेटी जिया सिंह का हुआ चयन

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, बेथेल मिशन स्कूल अनूपपुर की छात्रा कुमारी जिया सिंह पिता जितेन्द्र पाल सिंह माता एडवोकेट दीपा सिंह ने नीट परीक्षा 2024 को पास कर अपना, अपने परिवार वालो व विद्यालय का नाम रौशन किया है, इनका चयन मध्य प्रदेश के जाने-माने शासकीय गजरा राजा मेडिकल कॉलेज ग्वालियर में हुआ है। कुमारी जिया सिंह के शिक्षको के अनुसार जिया शुरु से ही नीट परीक्षा को अपना लक्ष्य मानकर अपनी तैयारी में लगी हुई थी उनका सपना था कि नीट क्लियर कर जिले की डॉक्टर बनकर गरीबों एवं असहाय लोगों की सेवा करेगी, उनके सपने साकार करने के लिए बेथेल मिशन विद्यालय के सभी शिक्षक का विशेष योगदान रहा, विशेषकर अदनान सर जिन्हानें फिजिक्स के बेसिक क्लीयर करने के साथ सही दिशा में नीट के पाठ्यक्रम अनुसार मार्गदर्शन किया, विद्यालय के चेयरमेन पी.के.पुन्नुस, प्राचार्य सुदीप चक्रवर्ती ऑर्डिनेटर पुष्पेन्द्र सिंह व सभी शिक्षको ने कुमारी जिया सिंह की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की एवं जिया सिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया.

सहारनपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित की गई चित्रकला प्रतियोगिता

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जनपद की गई आयोजित

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशानुसार स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत नमामि गंगे कार्यक्रम सामाजिक वानिकी वन विभाग सहारनपुर एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण पंचायत राज विभाग सहारनपुर के संयुक्त तत्वावधान में मनाये जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। चित्रकला प्रतियोगिता में माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से किसान सेवा इंटर कॉलेज नानौता ग्रीन फील्ड अकादमी नानौता, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज देवला समेत अनेकों कॉलेज ने प्रतिभाग किया। स्वच्छता एवं जल सुरक्षा की चित्रकला प्रतियोगिता में सैकड़ो छात्रों की सहभागिता रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रधानाचार्य किसान सेवा इंटर कॉलेज नानौता डॉक्टर प्रवीण कुमार मिश्रा, प्रधानाचार्य ग्रीन फील्ड एकेडमी ननौता डॉक्टर कुमुद पुंडीर, राजकीय इंटर कॉलेज देवला से गरिमा सिंह इत्यादि का उल्लेखनीय सहयोग रहा। जनपद स्तर पर कार्यक्रमों का संयोजन देव भास्कर पांडे जिला स्वच्छता सलाहकार स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण द्वारा किया गया।

थाना करनपठार के द्वारा 13 रास भैंस एवं 04 रास पडा अवैध परिवहन करते पकडे गये

सुशील सोनी । सिटी चीफ

वरिष्ठ अधिकारियों एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग पुष्पराजगढ के निर्देशन में थाना प्रभारी करनपठार उप निरी. संजय खलको एवं चौकी प्रभारी सरई थाना करनपठार उपनिरी. मंगला प्रसाद दुबे के नेतृत्व में हमराह स्टाफ सहायक उप निरी. मुनीन्द्र गवले, सउनि. कमल किशोर चंद्रौल, प्रआर. 155 कृष्ण कुमार पटेल, प्रआर. 256 राजेश पाव, आर. 415 दिलीप सिंह, आर. 287 विनोद अयाम, आर. 368 मनोज, आर. 366 रणजीत के अपराध विवेचना शिकायत जांच जुर्म जरायम पता रसी स्थाई वारण्टी पता तलाश हेतु रवाना हुआ था दौरान शिकायत जांच कस्बा देहात भृमण दौरान जरिये मुखबिर सूचना मिली कि ग्राम सरई टोला के पास समय 02.00 बजे मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम फरहदा, बीजापुरी में मिनी ट्रक (आईशर) क्रमांक MP 20 GB 5704 में अवैध रूप से भैंस एवं पडा लोड करके जबलपुर बूचडखाना वध करने हेतु विक्री करने मिनी ट्रक में लोड कर जाने वाले है । मुखबिर सूचना से हमराही स्टाफ व स्वतंत्र साक्षी- 01 राघवेन्द्र प्रसाद दुबे पिता रामायण प्रसाद दुबे उम्र 41 वर्ष निवासी बेनीबारी, 02. पूरन नायक पिता मोती नायक उम्र 53 वर्ष निवासी बेनीबारी को मुखबिर सूचना की जानकारी से अवगत कराते हूये मुखबिर सूचना का पंचनामा मौके पर जाकर हमराही स्टाफ एवं गवाहो के लेकर मौके पर रवाना हुआ था इम्दाद हेतु तत्काल जरिये मोबाईल चौकी प्रभारी सरई उप निरी. मंगला प्रसाद दुबे को मय स्टाफ के साथ पहुंचने हेतु निर्देशित किया गया जो थोडी देर बाद मौके पर ग्राम फरहदा बीजापुरी के आगे ग्राम बीजापुरी व घोघरी पुलिया के पास पहुंचे वाहन के आने का इन्तजार करते रहे थोडी देर बाद एक मिनी ट्रक आते दिखी पुलिस की गाडी देखकर मिनी ट्रक (आईशर) चालक व लोड करवाने वाले ट्रक को रोड किनारे छोड कर भाग गये देखे कि मिनी ट्रक के डाले में काले कलर की बरसाती की पन्नी बंधी थी जिसे हटवाकर देखा गया मिनी ट्रक (आईशर) के अंदर भैस व पडा ठूस - ठूस कर लाईलोन की रस्सी ट्रक के बाडी में भैस व पडा के सींग व मुंह गला पैर बंधा हुआ पाया गया ।

मिनी ट्रक के डाला में जानवरो के उठने बैठने घूमने फिरने व स्वास लेने में काफी कठनाई होना पाया गया । लोड पाडा व भैस चैक किया तो मिनी ट्रक (आईशर) में लोड भैंस व पडा में से 13 रास भैस एवं 04 रास पडा कुल 17 रास विभिन्न रंग रूप हुलिया के पाये गये मिनी ट्रक (आईशर) में लोड भैस व पडा के सीग एवं शरीर में खून निकलता एवं चोंटे पाई गई भैस पडा का हुलिया पंचनामा, थाना प्रांगण में लेकर तैयार किया गया । जानवरो को मिनी ट्रक से बाहर करवाकर कांजी हाऊस न होने पर थाना प्रांगण में ही सुरक्षार्थ रखवाया गया । तथा जानवरो के खाने पीने की समुचित व्यवस्था कर मेडिकल परीक्षण पृथक से कराया जावेगा मिनी ट्रक (आईशर) को थाना प्रांगण में सुरक्षार्थ खडा कराया गया । बाद वापस आया वापसी पर मिनी ट्रक क्रमांक MP 20 GB 5704 के अज्ञात चालक व मालिक के विरूद्ध अपराध क्रमांक 161/2024 धारा 6, 6(क),(ख),9-10 म. प्र. पशु परिरक्षण अधि. -1959 एवं 11ध म. प्र. पशु क्रूरता अधि.- 1960 तथा परमिट शर्तो का उलंघन करना पाये जाने से 66/192 मो. व्ही. एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । अज्ञात वाहन चालक व वाहन स्वामी की पता तलाश जारी है।

दमोह जिले में इस बार जूनियर हैंडबॉल की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी दमोह को मिली है-कलेक्टर

4 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक प्रतियोगिता का होगा आयोजन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा बहुत ही हर्ष और सौभाग्य का विषय है की हमारे दमोह जिले में इस बार जूनियर हैंडबॉल की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी दमोह को मिली है, 4 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2024 तक इस प्रतियोगिता का आयोजन होना है। इसमें पूरे प्रदेश से टीमें आ रही है, 300 से ज्यादा खिलाड़ी और इसके अलावा उनके प्रशिक्षक और मैनेजर इसमें भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा आज इसकी व्यवस्था का हमने रिव्यु किया। कलेक्टर ने कहा उद्घाटन सत्र से लेकर के समापन सत्र तक सारी व्यवस्थाएं कैसी रहेंगी चर्चा की गई और अधिकारियों को बहुत स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए हैं कि जो बच्चे, कोच और मैनेजर्स आ रहे हैं वो सब हमारे मेहमान हैं और उनकी व्यवस्था की गुणवत्ता में कोई समझौता बर्दाश्त नहीं होगा। संबंधित अधिकारी एक-एक जगह जा करके देखेंगे, उनकी रहने, खाने, सोने, बिजली, पानी, टॉयलेट्स की व्यवस्था और खेल

मैदान की पूरी व्यवस्थाएँ, उनकी सारी सुविधाएं बहुत उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिए, इसमें कोई समझौता नहीं होगा।

कलेक्टर ने कहा अस्पताल के विशेषज्ञों को निर्देशित किया गया है कि एम्बुलेंस की व्यवस्थाएँ, डॉक्टर्स की व्यवस्थाएँ 24 घंटे प्रॉपर रहेंगी, कॉल पर रहेंगी और बच्चों को किसी प्रकार की प्रॉब्लम या किसी प्रकार की बीमारी ना हो, इसलिए वहाँ पर प्रॉपर दवाइयों का छिड़काव और फॉगिंग वगैरह की व्यवस्था और साफ़ सफाई के लिए निर्देश नगरपालिका को दिए गए है। उन्होंने कहा भव्य उद्घाटन और समापन सत्र का आयोजन होगा, इसकी व्यवस्था भी पूरी की जा रही है और कुल मिलाकर यह बहुत अच्छा आयोजन होगा। कलेक्टर ने कहा रेलवे स्टेशन पर और जहाँ-जहाँ बच्चे आ रहे हैं, वहाँ पर हम अपनी टीमें बिठा रहे हैं, स्टॉल लगा रहे हैं ताकि बच्चों को प्रोपर रिसीव किया जा सके, उनको प्रोपरली लेकर आया जा सके। उन्होंने कहा कुल मिलाकर के बहुत बेहतरीन और डिलाइट फुल एक्सपीरियंस देने वाला आयोजन हम करने का प्रयास करेंगे, ताकि बच्चे इस कार्यक्रम की बहुत सुनहरी यादें लेकर के जाए।

भगत सिंह वर्मा ने कहा

पृथक राज्य बनने पर बढेगा गन्ने का मूल्य

चिलकाना। सहारनपुर, निकटवर्ती ग्राम बुड्ढा खेड़ा में पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा की विशाल पंचायत को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा में पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पश्चिम के लोगों को अपने हकों के लिए लड़ाई लड़कर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण कराना होगा। पृथक पश्चिम प्रदेश बनने पर यहां शिक्षा और चिकित्सा बेहतर होगी और सभी को निशुल्क मिल सकेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति वार्षिक आय मात्र 90000 रुपए वार्षिक है। जबकि छोटे राज्य तेलंगाना में साढे तीन लाख रुपए वार्षिक और हरियाणा में 3=15 लाख रुपए वार्षिक और गोवा में?500000 प्रति व्यक्ति वार्षिक आय हैं। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले में प्रदेश में ही नहीं देश में सबसे अधिक प्रति व्यक्ति वार्षिक आय 6.50 लाख रुपए है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिले प्रदेश सरकार को 80त्र राजस्व देते हैं। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश बनने पर यहां प्रति व्यक्ति वार्षिक आय देश में ही नहीं दुनिया में सबसे अधिक होगी। आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश की लखनऊ में भाजपा सरकार और केंद्र में मोदी सरकार भारी उपेक्षा कर रही है जिसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यहां से भारी

टैक्स वसूलने के बाद भी उत्तर प्रदेश में दो एम्स है जो पूर्वांचल में हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक भी एम्स नहीं है। यहां की 8 करोड़ जनता दिल्ली देहरादून चंडीगढ़ इलाज के लिए जाती है और उन्हें वहां दोनों हाथों से लूटा जाता है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पृथक राज्य बनने पर यहां के किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य मिलेगा और सभी फसलों की एम एस पी बढ़ाकर गारंटी कानून बनाया जाएगा। मनरेगा योजना को सीधा खेती से जोड़कर किसानों को मजदूर उपलब्ध कराए जाएंगे। 58 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग किसानों मजदूरों और सभी को ?10000 प्रति माह वृद्धावस्था पेंशन दिलाई जाएगी। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक गन्ना उत्पादन होता है और गन्ने से सबसे अधिक राजस्व प्रदेश सरकार को प्राप्त होता है। पृथक राज्य बनने पर यहां के गन्ना किसानों को गन्ने का लाभकारी मूल्य ?700 कुंतल नकद दिलाया जाएगा। बैठक का संचालन करते हुए पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बढ़ती हुई समस्याओं का एकमात्र हल उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण ही है। छोटे-छोटे राज्यों के निर्माण से देश की उन्नति संभव है। आसिम मलिक ने कहा कि अपने हकों के लिए किसानों, मजदूरों, युवाओं व छात्रों को एकजुट होकर पृथक राज्य की लड़ाई लड़नी होगी। जिसके लिए पश्चिम उत्तर प्रदेश में बड़ी लड़ाई की शुरुआत हो चुकी है। मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉक्टर अशोक मलिक ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में बड़े संघर्ष की शुरुआत हो चुकी है। अब केंद्र सरकार को पृथक पश्चिम प्रदेश बनाना ही होगा। पश्चिम प्रदेश बनने पर यह दुनिया का सबसे धनी और उन्नतशील राज्य होगा।पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य रजत शर्मा ने कहा कि अब अलग राज्य की लड़ाई तेज हो चुकी है और जन आंदोलन बन रही है। युवा शक्ति और छात्र पृथक राज्य के लिए संघर्ष को तैयार हो गए हैं। मंडल मीडिया प्रभारी दुष्यंत ने कहा कि आज पृथक पश्चिम प्रदेश समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है जिसके लिए सभी को आगे आकर संघर्ष करना होगा। महानगर अध्यक्ष मोहम्मद जहीर तुर्की ने कहा कि पृथक राज्य बनने पर यहां किसानों, मजदूरों, गरीबों, दुकानदारों, व्यापारियों सभी को लाभ होगा। बैठक में पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के प्रदेश सचिव ऋषिपाल प्रधान गुर्जर, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, महकार सिंह गुर्जर, गौरव शर्मा, सुमित वर्मा, सुरेंद्र प्रधान, जोगिंदर सिंह, चौधरी कालू सिंह, विकास चौधरी, जिला मंत्री मंसूर अहमद, वलीउल्लाह, नगर मंत्री तबरेज मलिक, साजेब मलिक, मोहम्मद शौकीन, अकमल गौड़, आसिफ मलिक, अब्दुल्ला मलिक, मोहम्मद बिलाल, उस्मान मलिक, अखलाक मलिक, मोहम्मद सत्तार, मोहम्मद मोनिस, इकराम मलिक, मोहम्मद गुफरान, मोहम्मद अफजल, अब्दुल कादिर, नौशाद मलिक, इरशाद मलिक, मोहम्मद रईस, नूर अहमद, मोहम्मद अली, मोहम्मद शाहिद आदि ने भाग लिया।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा

पाँचों टीम सदस्य मिलकर के काम करेंगे और सारे ऑपरेशन जॉइंट ऑपरेशन चलायेगें

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, बस, ओवरलोडेड वाहन, रिक्शा, ऑटो रिक्शा, मैजिक, ई-रिक्शा, स्कूल बस जिनकी फिटनेस नहीं है या जिनके ड्राइवर शराब पीकर के गाड़ी चला रहे हैं या ओवरलोडेड है या किसी भी प्रकार से मापदंड का पालन नहीं कर रहे हैं, उनके खिलाफ़ चालान कटे जा रहे हैं और जब्ती की कार्रवाई की जा रही है चालानी कारवाई अब डेली बेसिस पर जारी रहेंगी कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आमजन से कहा ग्राम समन्ना के पास हुये हादसे ने सभी को झंझोर कर रखा दिया है, कई सारे सबक हम सभी को दिए हैं। कलेक्टर ने कहा पुलिस अधीक्षक के साथ मिलकर इसमें एक व्यू रचना की है और अब इसमें सारी एजेंसियों को संयुक्त कर दिया है, जिसमें आबकारी, ट्रैफिक, आर.टी.ओ., राजस्व और पुलिस है, यह पाँचों टीम सदस्य मिलकर के काम करेंगे और सारे ऑपरेशन जॉइंट ऑपरेशन चलेंगे। कलेक्टर ने कहा इस सिलसिले में उसी दिन से कार्रवाई शुरू कर दी थी, जिस दिन घटना हुई थी। उन्होंने कहा लगातार कार्रवाई चालू है, ऐसी बस, ओवरलोडेड वाहन, रिक्शा, ऑटो रिक्शा, मैजिक, ई-रिक्शा, स्कूल बस जिनकी फिटनेस नहीं है या जिनके ड्राइवर शराब पीकर के गाड़ी चला रहे हैं या ओवरलोडेड है या किसी भी प्रकार से मापदंड का पालन नहीं कर रहे हैं, उनके खिलाफ़ चालान कटे जा रहे हैं और जब्ती की कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने सीजेएम से आग्रह किया है कि वो अगले हफ्ते से लगातार अपने मोबाइल कैंप लगाना प्रारंभ किये जायें, जो हमारे चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट हैं, उनके कैंप लगातार अब लगना शुरू हो जाएंगे, इसमें जो नियमानुसार कार्रवाई है वह प्रारंभ कर दी जाएगी। इसके अलावा ब्रीथ एनालाइज़र का उपयोग करके रात को लगातार कल से पुलिस ने चेकिंग शुरू की है, जिसमें ड्राइवर्स को चेक किया जा रहा है कि उनमें से कोई शराब पिए हुए तो नहीं है, जो शराब पिए हुए हैं उनका मेडिकल कराया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों के या शहरी क्षेत्रों से ऐसे ट्रैक्टर ट्रॉली निकल रहे हैं, उनसे आग्रह हैं कि लोगों को ना बिठाएं।

उन्होंने कहा चालानी कारवाई भी की जा रही है और यह कार्रवाई अब डेली बेसिस पर जारी रहेंगी, इसमें कोई विराम नहीं आएगा। आज 29 सितम्बर को शाम 5 बजे सभी स्कूल संचालकों की बैठक बुलाई है, इसके बाद आज ही बस ड्राइवरों के लिए बस स्टैंड पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा हैं। इसके बाद अगली बैठक ई-रिक्शा चालकों की ओर ट्रांसपोर्टर्स की और बाकी वैन चालकों की, स्कूल बस चालकों की होगी। तो इस प्रकार से लगातार इसमें एक मोमेंटम बनेगा।

उन्होंने कहा तीन टीमें आबकारी विभाग की बनी है जो की ये देखेंगी जाकर कि कोई भी शराब दुकान रात को 11=30 बजे के बाद ना खुले, जहाँ-जहाँ अवैध शराब बिकने के अंदेशा होते हैं वहाँ पर वो छापा मार कारवाई करेंगे और उनके साथ बाकी सारी टीमें भी संयुक्त रहेंगे। यह पाँचों टीमें मिल करके इसको एक प्रभावशील कार्यक्रम के रूप में अंजाम देंगी। इसके साथ-साथ हम एक जागरूकता का कार्यक्रम भी चलाएंगे, लोगों को प्रशिक्षित भी करेंगे, मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से भी जानकारी देंगे कि कैसे ड्रिंक एंड ड्राइव करना खतरनाक है, इसको ना करें, हेलमेट पहन करके गाड़ी चलाएं, क्षमता से ज्यादा लोगों को ना बैठाए, इस तरह की जागरूकता का कैंपेन भी हम पैरेलेली साथ में चलाते रहेंगे।

कोतमा, करण पठार, रामनगर में 21 वारंटियो को पुलिस ने किया गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, जिले के थाना करण पठार के स्टॉफ कौम्बिंग गस्त दौरान स्टाफ के द्वारा स्थाई वारंटी आरोपी- रतन सिह पिता धनसैया सिंह उम्र 32 वर्ष पाक्सो एक्ट का स्थाई वारंटी आरोपी- प्रहलाद सिंह पिता- कृपाल सिंह गोंड उम्र 22 वर्ष निवासी कोडार चौकी सरई एवं गिरफ्तारी वारंटी - पुष्पराज सिंह पिता रेतलाल चौहान उम्र 23 वर्ष निवासी बघाडी,बकौशल प्रसाद पिता स्व. गणेश प्रसाद महरा निवासी पीपरटोला , मनोज कुमार महरा पिता स्व.गणेश प्रसाद महरा उम्र 38 वर्ष निवासी पीपरटोला थाना करण पठार लगातार फरार थे जिसे हिरासत में लिया जाकर न्यायालय राजेन्द्रग्राम पेश किया गया।

रामनगर में 06 वारन्टियो को गिरफ्तार

थाना रामनगर के स्टॉफ के कांबिग गस्त के दौरान वर्ष 2020 से मारपीट, गाली गलौज के फरार आरोपी वारेंटी प्रेमलाल केशवरे पिता धनीलाल केशवरे उम्र 71 वर्ष निवासी सिविल दफाई राजनगर, हीराचंद केवट उर्फ गोल्डन पिता बबलू केवट उम्र 21 वर्ष निवासी कच्ची दफाई झीमर, रामप्रसाद उर्फ हवेली पिता अजुर्न कोल उम्र 40 वर्ष निवासी विशेषर दफाई राजनगर, रामभजन लोनी पिता रामलाल लोनी निवासी दर्री टोला मलगा, सूरजकोल उर्फ पचौनी पिता सुखलाल कोल निवासी वार्ड क्रं0 01 विशेषर द?फाई राजनगर एवं चोरी के फरार आरोपी रूपेश कुमार केवट पिता अशोक केवट उम्र 32 वर्ष आमाडांड को गिरफ्तार किया जाकर माननीय न्यायालय कोतमा में पेश किया गया है।

कोतमा में 7 वारंटी गिरफ्तार

कोतमा थाना के अंतर्गत हिस्ट्री शीटर, निगरानी गुंडा, बदमाशो एवं जिला बदर के घर में दबिश कांबिंग गस्त कर वारंटियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन एवं गुंडा, बदमाशो, जिला बदर बदमाशों की गतिविधियों की जानकारी लेने के निर्देशन पर कोतमा पुलिस टीम के द्वारा आधा दर्जन से ज्यादा वारंटियों को दबोचने में सफलता मिली है। पूरी रात स्थायी, गिरफ्तारी वारंटी के खिलाफ नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सर्च करते हुए जयंत चौधरी 27 वर्ष पिता ढोला चौधरी निवासी बुढानपुर,राजेश कुमार महरा पिता हेतराम निवासी सिमरिया, महेश पिता मणिलाल निवासी पिपरिया जिला अनूपपुर, नारायण साहू उर्फ़ रामनारायण साहू पिता बाबूलाल साहू निवासी बिशुन टोला, परमेश्वर प्रजापति उर्फ पप्पू निवासी सारंगढ़ एवं पूरन लाल यादव 42 वर्ष पिता मोतीलाल यादव निवासी पचखुरा को पकड़ा गया। सभी आरोपियों पर कार्यवाही कर न्यायालय पेश किया।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा को जनपद पंचायत जैतहरी सीईओ लगा रहे पलीता

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनुपपुर, पूरे देश मे स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है परंतु जनपद पंचायत के सी ई ओ साहब को इस स्वच्छता से कोई लेना देना नही है हम ऐसा इसलिए कह रहे है क्युकी जनपद पंचायत जैतहरी की लगभग सभी ग्राम पंचायत में सामुदायिक स्वच्छता भवन सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य किया गया एक शौचालय निर्माण कार्य के लिए हर पंचायत ने लगभग 700000 सात लाख की राशि खर्च की , हालाकि की निर्माण गुणवत्ता के हिसाब से सात लाख की राशि खर्च नही होनी चाहिए थी पर गुणवत्ता विहीन निर्माण सात लाख में कराया गया अब जब सारे सामुदायिक शौचालय लगभग साल भर पहले ही बन कर तैयार हो चुके है ,किसी भी आमजन के काम नहीं आ रहे है क्युकी इन सामुदायिक शौचालय में हमेशा बड़ा बड़ा ताला ही लटका मिलता है , इस निर्माण के गुणवत्ता विहीन निर्माण में हुए भ्रष्टाचार की बात हम अपने अगले अंक में करेंगे फिलहाल इसमें लटके बड़े बड़े ताले के बारे में बात करते है , इन सामुदायिक शौचालय में ताले लटके रहने का हमने कारण जानना चाहा तो कुछ

पंचायतों में पानी की समस्या तो कुछ में सफाई कर्मचारी की समस्या इस तरह अलग अलग समस्याएं बताई गई , इस बारे में जब जनपद पंचायत जैतहरी के एस डी ओ साहब से बात की गई तो उन्होंने तो अलग ही जवाब दिया उन्होंने कहा की सिर्फ हमारे जिले में ताले नही लटके है पूरे मध्यप्रदेश के जिलों में यही हालत है मतलब जो दूसरे जिलों में हो रहा है हम भी वही करेंगे चाहे वह सही हो या गलत । हमे इसकी जानकारी निकालते निकालते ये भी समझ आया की ये शौचालय इतने घटिया सामग्री से निर्माण कराए गए है, की पंचायत सचिव लोगो को इसको इस्तमाल में लाने से डर लगता है क्युकी महज साल भर में ही कही की दीवार में दरार कही फर्स उखड़ रहा कही पानी की टंकी ही नही लगी कही पानी टंकी तो लगी पर पानी कनेक्शन ही नही हुआ ऐसी कई इस्थिती पाई गई इससे ये मतलब साफ है की इस सामुदायिक शौचालय निर्माण में जम कर कमीसन खोरी की गई जिसके कारण ये निर्माण महज साल भर में अपना रंग दिखा रहा है।

महज इनके ताले कब खुलेंगे ये तो सी ई ओ साहब ही जाने, इस ताले से जनता कब तक परेशान रहेगी ये सी ई ओ साहब के मन पर निर्भर करता है। निर्माण की गुणवत्ता और कमीसन खोरी इस फोटो में साफ झलक रही है।

बालाघाट विधायक ने लालबर्रा में लगाया जनता दरबार,समस्या सुनकर दिये कार्यवाही हेतु निर्देश

अस्पताल का विधायक अनुभा मुंजारे व पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे द्वारा 25 सितंबर दिन बुधवार को पुन: अपने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर विश्राम ग्रह में जनता दरबार लगाया गया जिसमें ग्रामीण अंचलों से लोग अपनी अपनी समस्या लेकर पहुंचे,सभी लोगों ने अपनी अपनी समस्या विधायक के समझ बारी बारी से विधीवत रुप से रखी।

जिसमें राजस्व विभाग से संबंधित,बैंक से संबंधित,पुलिस विभाग से संबंधित,स्वास्थ्य विभाग से संबंधित,जनपद पंचायत से संबंधित,सड़क निर्माण से संबंधित,व राहत राशि से संबंधित सहित अन्य और भी विभागों से संबंधित समस्या को लेकर ग्रामीण अपनी समस्या को लेकर विधायक के समझ पहुंचे विधायक महोदया के द्वारा सभी लोगों कि समस्या को गंभीरता से सुना गया तथा समस्या के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारी को मौके पर तत्काल ही बुलाया गया तथा संबंधित विभाग को कार्यवाही हेतु निर्देशित भी किया गया है।

ग्रामीण अंचलों से बहुत से लोग अपनी अपनी समस्या लेकर उपस्थित हुए वहीं पार्टी कार्यकर्ताओं के द्वारा भी क्षेत्रीय समस्याओं से विधायक महोदया को अवगत कराने का प्रयास किया गया।

वहीं जनता दरबार में अपनी समस्या लेकर पहुंचे बम्हनी निवासी चिंतामन तुमसरे व लक्ष्मण तुमसरे ने अपनी लिखीत समस्या समस्त दस्तावेज के साथ विधायक महोदया के समक्ष रखते हुए न्याय कि गुहार लगाई गई जिस पर विधायक महोदया द्वारा उनकी समस्या को काफी गम्भीरता के साथ सुना गया तथा उनको हर सम्भव मदद का आश्वासन देते हुए भविष्य में कार्यवाही का आश्वासन दिया गया है वहीं प्रेस से चर्चा करते हुए जनता दरबार में पहुंचे बम्हनी निवासी चिंतामन तुमसरे ने बताया कि मुझे व मेरे परिवार को ग्राम सरपंच श्री बी आर ढबाले व अन्य 19 लोगों के द्वारा हमारा गांव समाज से जबरदस्ती हुक्का पानी बंद करवा दिया गया है,हमने केवल अपनी निजी जमीन से शौच का पानी जाने को लेकर विरोध किये थे जिससे दुर्भावनावश उन्होंने हमें गांव से बहिष्कृत कर दिया है तथा आज भी हमारी निजी जमीन से शौचालय का पानी जा रहा है, तथा गांव का कोई भी व्यक्ति हमसे बात नहीं कर रहा है ना हि हमें गांव के कोई भी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल किया जा रहा है जिस वजह से हमारा धंधा पानी पुरी तरह से प्रभावित हो गया है हमारे परिवार के लोग मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं तथा जब भी कोई अधिकारी लोग जांच में आते हैं तो सरपंच व अन्य 19 लोगों के द्वारा सरासर झूठ बोला जाता है कि इन्हें समाज से बंद नहीं किया गया है ना ही इनका हुक्का पानी बंद किए हैं कहकर इनके द्वारा कहा जाता है केवल ऐसा अधिकारी के सामने इनके द्वारा कहा जाता है। जिसकी शिकायत हमारे द्वारा लगभग सात आठ माह से लगातार शिकायत पर शिकायत कि जा रही है लेकिन न्याय कहीं से नहीं मिल रहा है हमारे द्वारा पुर्व में जिला कलेक्टर बालाघाट,पुलिस अधीक्षक बालाघाट,कलेक्टर जनसुनवाई में, सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत किए थे तथा कुछ दिनों पहले लालबर्रा थाना में थाना प्रभारी द्वारा हमें आश्वस्त किया गया था कि आप दो गवाह लेकर आइये और लिखीत में आवेदन दीजिए मैं मामला दर्ज करवाता हूं जिस पर हमने थाना प्रभारी के समक्ष शपथपत्र के साथ दो गवाह को लेकर शिकायत किए है जिसकी शिकायत कि जांच विजय बिसेन पुलिस द्वारा कि जा रही है लेकिन अभी तक पुलिस ने भी किसी प्रकार कि कोई कार्यवाही नहीं किए हैं,ना ही अनावेदक लोगों पर अपराध पंजीबद्ध किया गया है,केवल जांच हो रही है कहकर पुलिस द्वारा बोला जा रहा है, पुलिस कि कार्यवाही भी ठंडे बस्ते में समझ आ रही है तथा अनावेदक लोग चौक चौराहों पर खड़े होकर हमारी हंसी उड़ाते हैं और अक्सर बोलते हैं कि इतने जगह शिकायत किया तो क्या हुआ कहकर हमें ताना मारा जाता है,इस वजह से आज विधायक महोदया जी के जनता दरबार में आये है शिकायत लेकर,उन्होंने हमें आश्वस्त किये है कि निश्चित ही कार्यवाही करवाई जायेगी।

वहीं मां बोम्लई समिति के पदाधिकारी भी अपनी समस्या लेकर पहुंचे सहयोग राशि के लिए जिन्हें पुर्ण रुप से आश्वस्त किया गया है, तथा बिजली विभाग से संबंधित भी समस्या लेकर पहुंचे जिस पर विधायक महोदया ने तत्काल ही जे ई सर को बुलाकर समस्या का निराकरण करने हेतु निर्देश दिए सहित बहुत से लोग अपनी समस्या लेकर जनता दरबार में पहुंचे हैं।

पुराने स्थान पर ही 50बिस्तर वाला सर्वसुविधायुक्त अस्पताल का किया जाएगा निर्माण- अनुभा।

नगर मुख्यालय में स्थित शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे व पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन के अधिकारियों द्वारा 25 सितंबर को निरीक्षण किया गया वहीं इस दौरान श्रीमती अनुभा मुंजारे विधायक बालाघाट,विधायक प्रतिनिधि अनीश खान,भाउराम गाढेश्वर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी,शैलेष केकती,जाहिद खान जनपद पंचायत सदस्य, सहित अन्य सभी कांग्रेस पदाधिकारी तथा बीएमओ डॉ रित्विक पटेल उपस्थित रहे, जिसमें केन्द्र का उन्नयन करने के साथ ही 50 बिस्तर के अस्पताल बनाने के लिए शासन के द्वारा 9 करोड़ 95 लाख रुपए कि राशि स्वीकृत कि गई और सर्वसुविधायुक्त अस्पताल भवन का निर्माण हेतु स्थान चिन्हित करने के लिए अस्पताल का आज निरीक्षण किया गया।

वहीं 50 बिस्तर के सर्वसुविधायुक्त अस्पताल भवन का किस तरह से निर्माण करना है उस पर विस्तार पूर्वक चर्चा कि गई और पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन के एसडीओ के द्वारा भवन निर्माण का नक्शा भी बताया गया। साथ ही साथ भवन दो भागों में किया जाएगा जिसके लिए नवम्बर माह में टेंडर लगाकर 11 माह में कार्य पुर्ण किये जाने अधिकारियों ने आश्वस्त भी किया है। सहित अन्य और भी बातें कही गई है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत जिला अस्पताल में विभिन्न गतिविधियां आयोजित

नर्सिंग ऑफिसर्स ने बनाई रंगोली, सफाई मित्रों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत जिला अस्पताल में प्रतिदिन विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में शनिवार को अस्पताल में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं निबंध, पोस्टर और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अस्पताल की नर्सिंग ऑफिसर्स ने शामिल होकर स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण पर आधारित कलाकृतियों में रंग भरा। नर्सिंग ऑफिसर्स ने रंगों के माध्यम से स्वच्छ और सुंदर पर्यावरण का संदेश देते हुए मौजूद लोगों को अपने घरों और आसपास साफ-सफाई रखने हेतु प्रेरित किया। साथ ही शारीरिक सफाई को लेकर हाथ धुलाई, छींकने, खांसने के व्यवहारिक तरीके से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान जिला अस्पताल के डॉक्टर बीएस मैना, डॉ एसडी जायसवाल, डॉ तेजपालसिंह जादौन, डॉ गोविंद पाटीदार ने रंगोली एवं पोस्टरों का अवलोकन कर उसमें दिए गए संदेश को जाना। इस अवसर पर किरण पड़ोलिया, चित्रासिंह सहित बड़ी संख्या में नर्सिंग ऑफिसर्स मौजूद थीं। किरण पड़ोलिया ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत अस्पताल से जागरूकता रैली भी निकाली गई थी, जिसके माध्यम से आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। वहीं अन्य गतिविधियों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता को लेकर जागरूक किया जाएगा।

सफाई मित्रों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

शाजापुर जिला अस्पताल में किरण पड़ोलिया के मार्गदर्शन में सुबह 11 बजे स्वच्छता और स्वास्थ्य पर आधारित निबंध, पोस्टर और रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके बाद अस्पताल के सफाई मित्रों का शिविर लगाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉक्टर आलोक सक्सेना, डॉ गोविंद पाटीदार, सहायक नेत्र चिकित्सक संजय शर्मा के द्वारा स्वास्थ्य संबंधित परीक्षण किया गया। साथ ही अस्पताल में मौजूद लोगों से कहा कि स्वच्छता ही बीमारी से बचाव का सबसे आसान तरीका है। इसलिए घरों के आसपास सफाई रखने के साथ शारीरिक सफाई पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी है। इस दौरान अस्पताल के सफाई मित्र उपस्थित रहे।

शिक्षकों ने परस्पर संवाद के माध्यम से हल किए कठिन अंश बिंदु

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

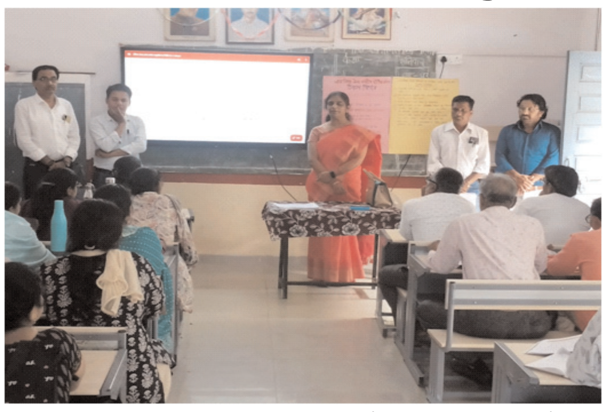

शाजापुर, मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग का उद्देश्य शिक्षण प्रोफेशनल डेवलपमेंट को बढ़ावा देना है। इसके लिए सीएम राइज टीपीडी और मिशन अंकुर के तहत 2024-25 के सत्र में जन शिक्षा केंद्र स्तर पर शैक्षिक संवाद करने की योजना प्रस्तावित की गई, जिसमें कक्षा 1 से 8 के शिक्षक एक पियर लर्निंग कम्युनिटी का हिस्सा बनकर अपने अनुभव साझा कर सकेंगे और एक दूसरे से सिख सकेंगे जिससे उनके और छात्रों के विकास में सुधार होगा। इसी परिपेक्ष्य में उमावि क्रमांक 2 एवं एमएलबी जनशिक्षा केंद्र के कक्षा 1 से 2 में अध्यापन करवाने वाले शिक्षकों तथा माध्यमिक स्तर से एक शिक्षक को आमंत्रित कर किला परिसर स्थित माध्यमिक विद्यालय महालक्ष्मी में 60 से अधिक शिक्षकों का शैक्षिक संवाद शनिवार को आयोजित किया गया। इस दौरान अनुवीक्षण डाइट से व्याख्याता अनीता श्रीवास्तव, बीएसी हेमलता जादम ने शिक्षकों से शिक्षण बिंदुओं पर संवाद किया।

वहीं निपुण भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु विद्यार्थियों को वर्ण, मात्रा, ग्रिड की सहायता से शब्द और वाक्य पठन की गतिविधि कैसे कराएं? साथ ही एक अंकीय जोड़ के लिए गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। संवाद को सर्वव्यापक बनाने में मिशन अंकुर विकासखंड प्रभारी माधुरी मिस्त्री, सहजकर्ता जनशिक्षक लोकेश राठौर, शिवनारायण कराड़ा, गोपाल कुंभकार, सह सहजकर्ता शिक्षक आशा नागर, आशीष सक्सेना, मोहम्मद रफीक आगा, कविता बोयत ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जनप्रतिनिधियों के साथ राजस्व अमला करेगा फसल क्षति का आंकलन

कालाबाजारी करने वालों से सख्ती से निपटेगी सरकार

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, उर्वरक की मांग बढने् पर कालाबाजारी, अवैध भंडारण, नकली उर्वरक निर्माण की संभावना रहती है। पुलिस का सहयोग लेते हुए निरीक्षण और चेकिंग की व्यवस्था को बढ़ाया जाए। कालाबाजारी करने वालों, मिलावट, मिस ब्रांडिंग और नकली उर्वरक खपाने वालों पर कठोरतम कार्रवाई की जाए। उर्वरक अवैध परिवहन पर नियंत्रण के लिए एक जिले से दूसरे जिले में उर्वरक मूवमेंट पर सतत् निगरानी रखें। यह निर्देश मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से सोयाबीन उपार्जन, खाद उपलब्धता और वितरण की वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कलेक्टर, कमिश्नर को दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि खरीफ 2024-25 के लिए प्रदेश में खाद की पर्याप्त उपलब्धता है।

उन्होने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्राइस सपोर्ट स्कीम में मध्यप्रदेश को सोयाबीन उपार्जन की दी गई स्वीकृति के लिए आभार व्यक्त करते हुए प्रदेश में उपार्जन के समुचित बेहतर प्रबंध करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जाए, ताकि आवश्यकतानुसार डीएपी के स्थान पर एनपीके, लिक्विड नैनो यूरिया के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों को ज्यादा से ज्यादा जानकारी दी जाए। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को निर्देशित किया कि राजस्व अमला जनप्रतिनिधियों के साथ फसलों की क्षति आंकलन सुनिश्चित करें। खाद भंडारण के लिए डबल लॉक की आवश्यकता होने पर कृषि उत्पादन आयुक्त से समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने अमानक स्तर का खाद-बीज विक्रय, भंडारण और परिवहन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में एनआईसी कक्ष शाजापुर से कलेक्टर ऋजु बाफना, पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत, अपर कलेक्टर भुरलासिंह सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर, उप संचालक कृषि केएस यादव, उप आयुक्त सहकारिता ओपी गुप्ता, सीईओ विशेष श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

25 वर्षीय शिवधाम आश्रम की यज्ञशाला ध्वस्त, सैकड़ों वृक्षों की कटाई

कटनी में सरकारी जमीन पर हुआ अवैध कब्जा

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम इमलिया से लगे ग्राम भड़ा हार में सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है। सरकारी जमीन पर कब्जा करते हुए कतिपय लोगों ने भड़ा हार में पिछले 25 वर्षों से संचालित शिवधाम आश्रम में बनी यज्ञशाला को भी तोड़ दिया। इसके अलावा यहां पर लगे सैकड़ों हरे-भरे वृक्षों का भी कत्लेआम किया गया है। इसकी शिकायत पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को किए जाने के बाद भी अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। जिसके चलते कतिपय लोगों के हौंसले बुलंद हो गए हैं और यहां खुलेआम सरकारी जमीन पर कब्जा करते हुए बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कराया जा रहा है। शिवधाम आश्रम के संचालक संत भगवानदास बम बम महाराज ने शिकायत में बताया कि यह आश्रम पिछले 25 सालों से सरकारी जमीन पर संचालित है, इसके बाद भी प्रशासन द्वारा आज तक आश्रम को जमीन आवंटन और पट्टे की कार्रवाई नहीं की गई।

भगवानदास बम बम महाराज ने मीडिया कर्मियों से चर्चा के दौरान बताया की इस स्थान स्थित आश्रम के बाजू से कुछ लोगों की निजी जमीन एवं एक तालाब भी है। कुछ समय पहले इस निजी जमीन का सौदा हुआ और हरियाणा निवासी महिपाल सिंह ने यह जमीन खरीद ली। जमीन खरीदने के बाद इनके द्वारा अपनी जमीन के साथ ही बाजू में लगी सरकारी जमीन पर भी कब्जा कर लिया गया। इसकी लिखित शिकायत उन्होंने पुलिस एवं प्रशासन से की। इसके बाद प्रशासन की ओर से राजस्व अमले ने यहां आकर जांच पड़ताल की और सांठगांठ करते हुए सरकारी जमीन पर कब्जा करने के लिए मूक सहमति दे दी। संत भगवानदास बम बम महाराज का आरोप है कि इस पूरे मामले में ग्राम पंचायत इमलिया के उप सरपंच एवं सचिव की भी मिलीभगत है। संत भगवानदास बम बम महाराज ने यह भी बताया कि शिवधाम आश्रम में साल भर धार्मिक आयोजन होते रहते हैं, जिसमे आसपास के गांव से हजारों की तादात में श्रद्धालु यहां आकर धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होते हैं। उन्होंने बताया कि आश्रम में भगवान भोलेनाथ का मंदिर है, जहां महाशिवरात्रि पर धार्मिक अनुष्ठान होता है। इसके अलावा महाकाली का भी स्थान है, जहां यज्ञशाला बनी हुई है। दोनों नवरात्रि में यहां कार्यक्रम होते हैं लेकिन कतिपय लोगों ने यज्ञशाला को भी तोड़ दिया। उन्होंने शिकायत भी दी लेकिन परंतु कार्यवाही नहीं हुई। यहां लगे वृक्षों को भी काटा जा रहा है। संत भगवानदास बम बम महाराज ने बताया कि शिवधाम आश्रम के सामने तालाब भी है। बरसात के दिनों में जब तालाब लबालब हो जाता है तो इसका पानी सरकारी जमीन से होते हुए छुई खदान की तरफ जाता है लेकिन कतिपय लोगों ने इस रास्ते पर भी कब्जा कर लिया है और गेट लगा दिया है। जिससे अब तालाब का पानी छुई खदान की बजाए गांव की ओर जाएगा, जिससे नुकसान होगा। उन्होंने कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से कार्यवाही की मांग की है। इस शिकायत के बाद एसडीएम प्रदीप मिश्रा ने बताया की इस मामले की उनके पास यह जानकारी लगी है और इस मामले में जांच करा कराए गए अवैध कब्जा हटाने की कार्यवाही कराई जाएगी।

संजीवनी हॉस्पिटल के डॉक्टर पर लगा गलत इलाज करने का गंभीर आरोप

परिजनों द्वारा बताया गया युवक की मौत का जिम्मेदार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनुपपुर, अनुपपुर जिला मुख्यालय अनूपपुर में संचालित संजीवनी अस्पताल में शुक्रवार की देर शाम बीमारी से पीड़ित एक युवक की उपचार दौरान मृत्यु होने पर परिजनों ने डॉक्टर पर गलत उपचार करने के कारण युवक की मौत होने का आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग की जिस पर कोतवाली पुलिस द्वारा मृतक के शव को जिला चिकित्सालय में देर रात रखाते हुए शनिवार की सुबह परिजनों की उपस्थिति में पंचनामा की कार्यवाही कर डॉक्टरों की टीम से पी,एम,कराने के साथ जांच प्रारंभ की है।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार जैतहरी थाना अंतर्गत अमगवा गांव निवासी 19 वर्षीय युवक सुमित केवट पिता रामप्रसाद केवट जो 15 दिन पूर्व हैदराबाद अपने साथियों के साथ काम की तलाश में गया रहा जो 26 सितंबर की रात वापस घर आकर रात समय सोया रहा जिसकी 27 सितंबर की सुबह अचानक तबीयत खराब होने पर परिजनों द्वारा जिला मुख्यालय अनूपपुर में संचालित संजीवनी अस्पताल में उपचार कराने हेतु लाकर भर्ती कराया युवक की उपचार दौरान देर शाम मृत्यु हो जाने पर परिजनों द्वारा अस्पताल के डॉक्टर पर गलत उपचार करने से युवक की मृत्यु होने का आरोप लगाते हुए डॉक्टर एवं अस्पताल के खिलाफ जांच कर कार्यवाही की मांग की घटना की जानकारी पर कोतवाली थाना अनूपपुर निरीक्षक अरविंद जैन पुलिस दल के साथ देर रात संजीवनी अस्पताल पहुंचकर मृतक के परिजनों एवं अस्पताल के चिकित्सक एवं कर्मचारियों से चर्चा करते हुए घटना की जानकारी लेकर मृतक के शव को पी,एम,एवं अन्य कार्यवाही हेतु देर रात जिला चिकित्सालय अनूपपुर ला कर पी,एम,वार्ड के शव फ्रीजर में शव को सुश्रक्षित सुरक्षित रखाया तथा शनिवार की सुबह परिजनों की उपस्थिति में मृत युवक के शव का पंचनामा कर जिला चिकित्सालय के डॉक्टर टीम से पी,एम,की कार्यवाही कराते हुए जांच की, इस दौरान कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन ने कहा कि पुलिस प्रत्येक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है जो भी तथ्य जांच में पाये जाएंगे उस आधार पर निष्पक्ष कार्यवाही शीघ्र ही की जावेगी।

महिला खातेदार के अकाउंट से फर्जी पर्चियों के जरिए निकाले गए 63 हजार रुपये, तीन गिरफ्तार

भारतीय स्टेट बैंक की बहोरीबंद ब्रांच में धोखाधड़ी

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, भारतीय स्टेट बैंक की बहोरीबंद ब्रांच में एक महिला खातेदार के अकाउंट से फर्जी पर्ची के माध्यम से सात बार रुपये निकालने का मामला सामने आया है। पुलिस ने जब इस मामले की तहकीकात की तो बड़ा खुलासा हुआ। इस मामले में बहोरीबंद पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा करते हुए एडिशनल एसपी संतोष डेहरिया ने पत्रकार वार्ता में बताया कि बाकल थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मोहतरा निवासी कुसुम बाई रैकवार की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए तहकीकात शुरू की तो बड़ा खुलासा हुआ। इस धोखाधड़ी का मास्टर माइंड बैंक के एटीएम में सिक्योरिटी गार्ड की नोकरी करने वाला प्रीतम लाल चक्रवर्ती निकला। उसने कुसुम बाई रैकवार के कम पढ़े लिखे होने फायदा उठाते हुए एक नहीं बल्कि सात बार निकासी पर्ची भरकर 63 हजार 200 रुपये अपनी पत्नी मन्ती बाई और भाई संतोष चक्रवर्ती के खाते में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद दोनों को बैंक ले जाकर राशि का आहरण कर लिया। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

ज्ञापन देते समय कार्यकर्ता मौजूद

युवक कांग्रेस के द्वारा बिजली कटौती को लेकर सौंपा ज्ञापन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, नवरात्रि पर्व पर निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने को लेकर युवक कांग्रेस के द्वारा बिजली कंपनी के अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता शनिवार को बिजली कंपनी कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपकर बताया कि बीते दिनों गणेशोत्सव के दौरान बारबार बिजली कटौती से भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। आगामी दिनों में नवरात्रि का पर्व शुरू होने वाला है।

ऐसे में बिजली कटौती नही की जाए। ज्ञापन देते समय कार्यकर्ता मौजूद थे।

मरीज के परिजनों की ओर से मारपीट पर भड़के

बंगाल में फिर हड़ताल पर गए जूनियर डॉक्टर्स

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के सरकारदरी सागर दत्ता अस्पताल में मरीज के परिजनों की ओर से कर्मचारियों पर हमले का आरोप है। इसके खिलाफ जूनियर डॉक्टर्स और नर्स ने काम बंद करो प्रदर्शन शनिवार को भी जारी रखा। कोलकाता के निकट कमरहाटी स्थित अस्पताल में एक मरीज की मौत हो गई। इस पर उसके परिजनों की ओर से कर्मचारियों की पिटाई की गई। इससे भड़के चिकित्सकों और नर्स ने शुक्रवार देर रात काम बंद करो प्रदर्शन शुरू किया था। जूनियर डॉक्टर ने बताया कि इस घटना में 3 जूनियर डॉक्टर, 3 नर्स और स्वास्थ्यकर्मी घायल हो गए थे। हादसे के बाद कनिष्ठ चिकित्सकों और नर्स ने बेहतर सुरक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर काम बंद करो प्रदर्शन का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि मरीज एक अधेड़ उम्र की महिला थी। उसे सांस लेने में गंभीर समस्या थी और उसकी हालत भी नाजुक थी। नर्स ने कहा, मरीज को सांस लेने में तकलीफ होने के कारण शुक्रवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसकी हालत ठीक नहीं थी।

स्वास्थ्यकर्मियों ने उसे ऑक्सीजन देने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी जिससे उसकी मौत हो गई।

मौके पर पुलिस मौजूद थी, इसके बावजूद...

नर्स ने बताया कि यहां पुलिस मौजूद थी, इसके बावजूद मरीज के 15-20 परिजन महिला वॉर्ड में घुस गए और वहां अन्य मरीजों का इलाज कर रहे चिकित्सकों व कई नर्स पर हमला कर दिया। जूनियर डॉक्टर ने कहा, हम लगातार बा रोगी विभाग और अस्पताल के वार्ड में उचित सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। इस घटना से फिर यह साबित हो गया है कि राज्य प्रशासन अभी भी हमारी सुरक्षा की मांग के प्रति जागा नहीं है। जब तक पर्याप्त सुरक्षा की हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं तब तक काम बंद प्रदर्शन जारी रहेगा।

अस्पताल परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई

बैरकपुर पुलिस आयुक्तालय के सीनियर अधिकारी ने बताया कि अस्पताल प्रशासन ने कमरहाटी पुलिस थाने में इस घटना की शिकायत दर्ज करा दी है और जांच जारी है। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद अस्पताल परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस गश्त दल अस्पताल के मुख्य द्वार पर निगरानी रख रहा है। पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फोरम के सदस्य अनिकेत महतो ने कहा, हमने पहले भी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। जब तक सरकार सक्रिय कदम नहीं उठाएगी तब तक ऐसी घटनाएं होती रहेंगी।

पानी में फंसे सैकड़ों लोगों को बचाया, देशभर में 44 स्थानों पर मुख्य राजमार्ग हुए अवरुद्ध

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से 60 की मौत

काठमांडू। नेपाल में लगातार हो रही मसूलाधार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है। इसकी चपेट में आने से बीते 24 घंटे में 60 लोगों की जान चली गई है और 36 घायल हैं। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, कई लोग अभी भी लापता हैं। बाढ़ के पानी में फंसे सैकड़ों लोगों को बचाया गया है। काठमांडू घाटी में बाढ़ और भूस्खलन होने से 34 मौतें हुई हैं। ललितपुर में 16, भक्तपुर में 5, सिंधुपालचोक में 2 और पंचथर, धनकुटा और सिंधुली से भी मौत की खबर है।

पुलिस की ओर से जारी बयान के अनुसार, देश के बाकी हिस्सों को राजधानी काठमांडू से जोड़ने वाले राजमार्गों सहित लगभग सभी राजमार्ग आपदाओं के कारण बाधित हुए हैं। नेपाल सरकार ने घोषणा की है कि बचाव कार्यों के लिए 20,000 से अधिक पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया है। भूस्खलन के कारण कई लोग घायल हो गए हैं और कई लापता हैं। सीनियर पुलिस अधीक्षक बिश्वो अधिकारी के अनुसार, अकेले काठमांडू घाटी के तीन जिलों में 32 लोगों की मौत हो गई है और 12 अभी भी लापता हैं। बचावकर्मियों ने घाटी के भीतर बाढ़ के पानी में फंसे 1,053 लोगों को सफलतापूर्वक बचाया है।

1,244 घर बाढ़ के पानी में डूबे

अधिकारी के अनुसार, घाटी में बाढ़ के कारण 4 कंक्रीट के घर नष्ट हो गए हैं और 1244 घर जलमग्न हो गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि इस साल मॉनसून के मौसम में नेपाल में औसत से अधिक बारिश हुई है। अधिकारी ने कहा कि देशभर में 44 स्थानों पर मुख्य राजमार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। इस बीच, कार्यवाहक प्रधानमंत्री एवं शहरी विकास मंत्री प्रकाश मान सिंह ने गृह मंत्री, गृह सचिव और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों समेत विभिन्न मंत्रियों की आपात बैठक बुलाई है। उन्हें खोज और बचाव अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। बाढ़ के कारण मुख्य विद्युत लाइन बाधित होने के कारण काठमांडू में पूरे दिन बिजली गुल रही, लेकिन शाम को बिजली आपूर्ति बहाल हो गई।

नेपाल ने छोड़ा पानी, कोसी के उफान से बिहार में तबाही शुरू

सुपौल। नेपाल प्रभाग में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बाद कोसी नदी एक बार फिर उफान पर है। बीते 24 घंटों में ही कोसी नदी के जलस्तर में करीब 4 लाख क्यूसेक का उछाल आया है। नेपाल के बराह क्षेत्र में दोपहर 01 बजे 4 लाख 45 हजार 550 क्यूसेक पानी और कोसी बराज से पांच लाख 21 हजार 455 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हुआ है। कोसी के उफान से बिहार में तबाही मच गई है।

नेपाल ने कोसी बराज वीरपुर से 549500 और गंडक बराज वाल्मीकिनगर से 501650 क्यूसेक पानी छोड़ा है। फिर शाम छह बजे कोसी बराज का डिस्चार्ज बढ़कर 5,67,760 हो गया। इसके साथ ही बिहार में बाढ़ की तबाही शुरू हो गई है। जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव ने संबंधित जिलाधिकारियों को हाई अलर्ट जारी किया है। इस बीच, नेपाल के फतुहा पुल के समीप (लालबकेया) नदी का बांध टूटने से भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्रों में बाढ़ की तबाही का डर सामने आ गया है। इधर, जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए नेपाल प्रभाग स्थित कोसी बराज से वाहनों का परिचालन पूरी तरह रोक दिया गया है।

लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए की जा रही अपील

सुपौल में जिलाधिकारी कौशल कुमार खुद ही तटबंध के इलाकों की निगरानी में निकले हुए हैं। उन्होंने बताया कि बीते 24 घंटों में नेपाल प्रभाग स्थित कोसी नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में 200 एमएम से भी अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई है। इसके कारण कोसी नदी अचानक उफनाई है। प्रशासन की ओर से माइकिंग कराई जा रही है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए अपील की जा रही है। प्रशासन की माइकिंग में स्पष्ट किया गया है दोपहर 12 बजे की संभावित कोसी बराज का डिस्चार्ज बीते 56 वर्षों में सर्वाधिक है। डीएम ने बताया कि संभावित बाढ़ और कटाव के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। कोसी के अभियंताओं को भी तटबंध की सतत निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

तटबंध के इलाकों से पलायन करने लगे हैं लोग

कोसी नदी के जलस्तर में शुक्रवार की शाम से जारी उछाल के बाद सुपौल में नेपाल सीमा से सटे इलाकों में बाढ़ का पानी फैल रहा है। शनिवार की सुबह 10 बजे कोसी बराज से 4 लाख 80 हजार 495 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज रिकॉर्ड किया गया है। प्रशासन ने दोपहर 12 बजे 6 लाख 81 हजार 639 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज की संभावना जताई है। यही कारण है कि बाढ़ का पानी फैलने के साथ ही लोग तटबंध के इलाकों से पलायन करने लगे हैं।

कोसी के जलस्तर में अचानक हुए अप्रत्याशित वृद्धि से लोगों में दहशत का माहौल है।

भाजपा ने राहुल गांधी को बताया अव्वल दर्जे का झूठा

नई दिल्ली। अयोध्या में 22 जनवरी को हुए श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को नाच-गाने का कार्यक्रम बताने पर राहुल गांधी को भाजपा ने घेरा। भाजपा ने राहुल गांधी को अव्वल दर्जे के झूठे व्यक्ति करार दिया। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस नेता की टिप्पणियां गांधी परिवार की वास्तविक प्रकृति और हिंदू धर्म के प्रति अपमान को दर्शाती हैं। दरअसल लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वह कह रहे हैं कि राम मंदिर के समारोह में शामिल होने के लिए अमिताभ बच्चन, अंबानी और अडानी को आमंत्रित किया गया, लेकिन किसी भी गरीब व्यक्ति, मजदूर या किसान को नहीं बुलाया गया। राहुल गांधी ने गुरुवार को हरियाणा में एक चुनावी रैली में कहा था कि अयोध्या में नाच-गाना हो रहा था। इसलिए, भाजपा संसदीय चुनाव में अयोध्या लोकसभा सीट समाजवादी पार्टी के अवधेश सिंह से हार गई। इसे लेकर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर बार-बार राम मंदिर का अपमान करने का आरोप लगाया। त्रिवेदी ने कहा कि यह बहुत दुखद और गंभीर है कि राहुल गांधी ने भगवान के नाम पर लोकसभा में शपथ भी नहीं ली।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ एफआईआर

बेंगलुरु। अब समाप्त हो चुकी चुनावी बॉन्ड योजना से संबंधित एक शिकायत के बाद बेंगलुरु की एक अदालत के निर्देश के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य के खिलाफ शनिवार को मामला दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, एक विशेष अदालत के आदेश के आधार पर केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, ईडी अधिकारियों, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के पदाधिकारियों के खिलाफ धारा 384 (जबरन वसूली के लिए सजा) और 120 बी (आपराधिक साजिश) के साथ धारा 34 (सामान्य इरादे से कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कृत्य) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

इससे पहले बेंगलुरु की एक अदालत ने चुनावी बॉन्ड के जरिए जबरन वसूली के मामले में वित्त मंत्री निर्मला सीतारण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। वहीं, इस मामले को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भाजपा और पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अब भाजपा नेता कब इस्तीफा मांगेंगे। जनाधिकार संघर्ष परिषद (जेएसपी) के सह अध्यक्ष आदर्श अय्यर ने सीतारमण और अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि चुनावी बॉन्ड के जरिए डरा-धमकाकर जबरन वसूली की गई। इस मामले में बेंगलुरू की पीपुल्स रिप्रेजेंटेटिव कोर्ट ने प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। इसके बाद पुलिस ने वित्त मंत्री और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली।

क्या है चुनावी बॉन्ड?

बता दें कि केंद्र सरकार ने 2018 में चुनावी बॉन्ड योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत सरकार राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे में नकद दान को खत्म करना था, ताकि राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता बनी रहे। इसके बाद एसबीआई के चुनावी बॉन्ड के जरिए लोग राजनीतिक दलों को चंदा दे सकते थे। इसका खुलासा नहीं किया जाता था। पिछले साल विपक्षी दलों के आरोपों और इसके खिलाफ तमाम याचिकाओं के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। अदालत ने कहा था कि यह नागरिकों के सूचना के अधिकार का उल्लंघन करता है।

इन लोगों के खिलाफ शिकायत

अब आदर्श अय्यर ने आरोप लगाया कि चुनावी बॉन्ड के जरिए धमकी देकर जबरन वसूली की गई। जन अधिकार संघर्ष परिषद ने पिछले साल अप्रैल में अदालत में याचिका दायर कर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ईडी अधिकारियों, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पार्टी के अन्य राष्ट्रीय नेताओं, भाजपा के तत्कालीन कर्नाटक अध्यक्ष नलिन कुमार कटील, बी वाई विजयेंद्र के खिलाफ शिकायत की थी। अदालत ने शिकायत पर सुनवाई करते हुए बेंगलुरू के तिलक नगर पुलिस थाने को चुनावी बॉन्ड के जरिए जबरन वसूली का मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। कर्नाटक के सीएम ने मांगा इस्तीफा मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने निर्मला सीतारमण के इस्तीफे की मांग की और कहा कि इस मामले में तीन महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपी जानी चाहिए।

मणिपुर के जिरीबाम में फिर भड़की हिंसा

चूड़ाचांदपुर, कांगपोकपी में जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित, गोलीबारी के बीच तैनात की फोर्स

इंफाल। मणिपुर में जिरीबाम जिले के एक गांव में शनिवार को कुछ संदिग्ध उग्रवादियों ने गोलीबारी की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ हथियारबंद लोगों ने पास की पहाड़ियों और आसपास के घने जंगलों से मैतेई आबादी वाले गांव मोंगबुंग पर अंधाधुंध गोलीबारी की। जिसके बाद गांव के स्वयंसेवकों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई में गोलीबारी की गई है।

मणिपुर पुलिस ने बताया कि जिरीबाम जिले में शनिवार को कुछ संदिग्ध उग्रवादियों ने सुबह करीब 11.30 बजे मोंगबुंग मैतेई गांव में अंधाधुंध फायरिंग की। बताया जा रहा है कि, दोनों पक्षों की ओर से भयंकर गोलीबारी की जा रही है। इस गोलीबारी को देखते हुए महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा रहा है। मोंगबुंग मैतेई गांव, जिरीबाम जिला मुख्यालय शहर से सात किलोमीटर दूर स्थित है। जून में जिले में भड़की हिंसा के दौरान इस गांव में कई हमले हुए थे। ग्रामीणों के हवाले से एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कई महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मौजूदा स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षाबलों को भेजा गया है। इस गोलीबारी में अब तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह के बयान के विरोध में बंद

दूसरी तरफ चुराचांदपुर और कांगपोकपी जिलों में आज बंद का दूसरा दिन है। इसके कारण बाजार बंद रहे। जिले में सड़कें वीरान दिखीं। अधिकारियों ने बताया कि कुकी समुदाय की ओर से दोनों जिलों में रविवार, 29 सितंबर तक बंद का आह्वान किया है। इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) और कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन (केएसओ) सहित अन्य कुकी समुदाय सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह के बयान का विरोध कर रहे हैं। कुलदीप सिंह ने 20 सितंबर को दावा किया था कि मणिपुर में म्यांमार से 900 कुकी उग्रवादी घुस गए हैं। ये उग्रवादी ड्रोन बम, प्रोजेक्टाइल, मिसाइल और गोरिल्ला युद्ध में ट्रेंड हैं। ये 30-30 लोगों के ग्रुप में हैं और अलग-अलग क्षेत्रों में छिपे हुए हैं। वे 28 सितंबर के आसपास मैतेई गांवों पर हमले कर सकते हैं। हालांकि, राज्य सरकार ने 25 सितंबर को ऐसे किसी हमले का दावा वापस ले लिया था। हालांकि राज्य सरकार ने बुधवार को बयान वापस ले लिया और कहा कि, सशस्त्र समूहों द्वारा इस तरह के किसी भी दुस्साहस की संभावना बहुत कम और निराधार है। वहीं दूसरी ओर शुक्रवार को सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी, चुराचांदपुर और थौबल जिलों से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया।

भारी मात्रा में जब्त किए गए हथियार

पुलिस ने बताया कि मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स की एक संयुक्त टीम ने कांगपोकपी जिले के लोइचिंग रिज से दो .303 राइफल, एक 9 एमएम पिस्तौल, मैगजीन, कारतूस, चार हथगोले, दो डेटोनेटर और एक-एक देशी मोर्टार और लंबी दूरी के इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार जब्त किए। पुलिस, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) और सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के सुरक्षाबलों ने चुराचांदपुर जिले के गोथोल गांव में एक अन्य सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान दो इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार जब्त किए गए। जिन्हें स्थानीय तौर पर पम्पी कहा जाता है। राज्य पुलिस और असम राइफल्स ने थौबल जिले में फीनोम पहाड़ी रेंज से 4 एचई-36 हैंड ग्रेनेड, दो पम्पी शेल, 3 डेटोनेटर और एक स्टन ग्रेनेड, स्टिंगर ग्रेनेड और आंसू गैस के गोले भी जब्त किए। पिछले साल 3 मई से इंफाल घाटी स्थित मैतेई और मणिपुर में आसपास की पहाड़ियों पर रहने वाले कुकी लोगों के बीच शुरू हुई जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569